Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 09
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 16 जनवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

5 मतदान खत्म, 16 को नतीजे; मुंबई में ...

4 जब नल से जहर बहने लगे, इंदौर ने दिखा...

7 फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भारी...

संक्षिप्त न्यूज

तमिलनाडु के करूर में भगदड़ पर डीएमके का हमला, विजय को ठहराया मौतों का जिम्मेदार

चेन्नई। करूर में हुई भगदड़ को लेकर डीएमके ने टीवीके प्रमुख विजय पर बड़ा आरोप लगाया है। डीएमके प्रवक्ता टी.के.एस. एलंगोवन ने करूर भगदड़ की घटना को लेकर टीवीके प्रमुख विजय की कड़ी आलोचना की है। एलंगोवन ने आरोप लगाया कि इस हादसे और कई लोगों की मौत के लिए सीधे तौर पर विजय को जिम्मेदार ठहराया। एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए एलंगोवन ने कहा कि यह त्रासदी इसलिए हुई क्योंकि अभिनेता से नेता बने विजय अपने ही कार्यक्रम में बहुत देर से पहुंचे।

क्या बोले डीएमके नेता?

डीएमके नेता टी.के.एस. एलंगोवन ने कहा विजय को यह समझना चाहिए कि यह हादसा उनकी देरी की वजह से हुआ। उन्होंने लोगों को सुबह नौ बजे से शाम साढ़े सात बजे तक करीब नौ घंटे इंतजार करवाया। चिलचिलाती धूप में बिना खाने-पीने के इंतजार करने से लोग बेहोश हो गए। एलंगोवन ने दावा किया कि अगर विजय तय समय यानी दोपहर 12 बजे रेली में आ जाते, तो जानें बचाई जा सकती थीं। उन्होंने कहा कि विजय अपनी गलती मानने के बजाय दूसरी बातें कर रहे हैं।

सीबीआई ने की लंबी पूछताछ

इस बीच टीवीके प्रमुख विजय दिल्ली में सीबीआई मुख्यालय में पूछताछ के बाद मंगलवार को चेन्नई लौट आए। सीबीआई ने सोमवार को उनसे सात घंटे से ज्यादा समय तक सवाल-जवाब किए।

'सनातन धर्म की ध्वजा बुलंद किया'

अमित शाह ने लॉन्च की आदिशंकराचार्य की गुजराती ग्रंथावली

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि आदिशंकराचार्य ने भारतीय पहचान स्थापित की और सनातन ध्वज चारों दिशाओं में बुलंद किया। शाह ने यह बात आदिशंकराचार्य की 'ग्रंथावली' (गुजराती में प्रकाशित) लॉन्च करने के बाद की सभा में कही। उन्होंने कहा कि यह 15 खंडों में प्रकाशित ग्रंथावली गुजरात के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उनके जीवन और कार्य पर गहरा प्रभाव डालेगी।

शंकराचार्य ने सम्पूर्ण देश की पैदल यात्रा की- अमित शाह

अमित शाह ने कहा इन ग्रंथों में आप उस समय के समाज में उठ रहे सभी प्रश्नों के समाधान पाएंगे। उन्होंने आदिशंकराचार्य की यात्रा और योगदान को याद करते हुए कहा कि बहुत कम

लोग इतने कम जीवन में इतना बड़ा योगदान दे पाते हैं। आदिशंकराचार्य पैदल पूरे देश में घूमे और उन्हें चलती-फिरती विश्वविद्यालय कहा जा सकता है। शाह ने बताया कि उन्होंने केवल यात्रा ही नहीं की, बल्कि चारों दिशाओं में मठ स्थापित किए, ज्ञान केंद्र बनाए और सनातन धर्म का झंडा ऊंचा रखा। उन्होंने कहा कि आदिशंकराचार्य के मठ सिर्फ धार्मिक केंद्र नहीं बने, बल्कि उन्होंने वेदों का वितरण और संरक्षण सुनिश्चित किया, ताकि ज्ञान की परंपरा स्थायी रूप से संरक्षित और प्रसारित हो।

शंकराचार्य ने सभी सवालों के दिए तार्किक जवाब

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि अपने जीवनकाल में आदिशंकराचार्य ने बौद्ध, जैन, कपालिक और तांत्रिक परंपराओं के उदय के बीच सनातन धर्म से जुड़े प्रश्नों और शंकाओं का तार्किक उत्तर दिया। शाह ने आगे कहा आदिशंकराचार्य ने केवल विचार नहीं दिए, बल्कि भारत को विचारों का संलयन, ज्ञान का स्वरूप और मोक्ष का मार्ग भी दिखाया। इस ग्रंथावली का प्रकाशन सास्तु साहित्य मुद्रालय ट्रस्ट द्वारा किया गया है और संपादन गौतम पटेल ने किया है।

मोहन भागवत दो दिवसीय छत्रपति संभाजीनगर दौरे के दौरान 'हिंदु सम्मेलन' में शामिल होंगे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 16 जनवरी से मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान 'हिंदू सम्मेलन' सहित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। संगठन की प्रचार शाखा 'विश्व संवाद केंद्र' द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

'विश्व संवाद केंद्र' के मुताबिक भागवत शुक्रवार (16 जनवरी) को छत्रपति संभाजी नगर के एमआईटी कॉलेज में आयोजित होने वाले 'युवा सम्मेलन' में हिस्सा लेंगे जो युवाओं पर केंद्रित होगा। विज्ञप्ति के मुताबिक 'युवा सम्मेलन' में संस्कृति, राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। उसी दिन शाम पांच बजे भागवत गंगापुर में आयोजित 'हिंदू सम्मेलन' को संबोधित करेंगे।

'विश्व संवाद केंद्र' ने बताया कि भागवत दौरे के दूसरे दिन शनिवार को पूर्वाह्न 11 बजे निर्धारित 'युवा उद्यमी संवाद' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। विज्ञप्ति के मुताबिक ये कार्यक्रम आरएसएस शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित किये गये हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक बाद में आरएसएस प्रमुख आमंत्रित लोगों से संवाद करेंगे।

अरावली को लेकर फिर सियासी संग्राम, कांग्रेस बोली- बर्बाद करने वाले बचाने का कर रहे दिखावा

नई दिल्ली। अरावली पर्वत श्रृंखला के संरक्षण को लेकर एक बार फिर सियासत तेज हो गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के हालिया बयान के बाद कांग्रेस ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे जनता को गुमराह करने वाला करार दिया है। कांग्रेस ने कहा जो लोग अरावली को बर्बाद करने निकले थे, वे अब दिखावा कर रहे हैं और खुद को बचाने वाला बता रहे हैं।

क्या बोले कांग्रेस नेता?

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने अरावली की परिभाषा बदलने की पूरी कोशिश की थी। इससे वहां का पर्यावरण और भी ज्यादा तबाह हो जाता। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा 'खुशकिस्मती से सुप्रीम कोर्ट ने दखल दिया और इन कोशिशों को रोक दिया।' रमेश ने दावा किया कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यादव ने पहले परिभाषा बदलने का समर्थन किया था और इसे लागू करने के लिए कदम उठाए थे। हालांकि अब हारने के बाद वे जीत का एलान कर रहे हैं। रमेश ने कहा, 'जो लोग बर्बाद करने निकले थे, वे अब दिखावा कर रहे हैं और खुद को बचाने वाला बता रहे हैं।'

मंत्री भूपेंद्र यादव का दावा

यह विवाद मंत्री यादव के बुधवार को दिए गए बयान के बाद बाद आई है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि सरकार अरावली को बचाने और संवारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले दो-तीन वर्षों में अरावली क्षेत्र में हजारों हेक्टेयर जमीन को बहाल किया गया है। सरकार ने 'अरावली ग्रीन वॉल प्रोजेक्ट' शुरू किया है। इसका लक्ष्य 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर खराब जमीन को ठीक करना है।

इस पहल के तहत अरावली क्षेत्र में 6.45 मिलियन हेक्टेयर खराब जमीन की पहचान की गई है। इसके लिए गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में 2.7 मिलियन हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर हरियाली का काम शुरू किया गया है।

राहुल गांधी के साथ मेरी मुलाकात को ज्यादा गंभीरता से न लें : डी. के. शिवकुमार

बैंगलुरू। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ उनकी हालिया मुलाकात नियमित राजनीतिक बातचीत का हिस्सा थी और इसका कोई मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वह विभिन्न मुद्दों पर पार्टी नेतृत्व के साथ बातचीत जारी रखेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट किया था जिसमें लिखा था, 'प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थनाएं नहीं।' यह पोस्ट कावेरी विवाद में हुए घटनाक्रम से संबंधित था।

उन्होंने कहा, 'मेरी अर्जी के कारण कावेरी मुद्दे ने अदालत में एक नया रूप ले लिया है। अदालत ने केंद्र सरकार से कहा है कि उसे मेकेदातु बैलेंसिंग जलाशय मुद्दे पर फैसला लेना होगा। इसलिए मैंने यह ट्वीट किया।'

शिवकुमार ने पत्रकारों द्वारा की जा रही अलग-अलग व्याख्याओं को खारिज कर दिया। उपमुख्यमंत्री ने तमिलनाडु रवाना होने से पहले मैसूरु के दौरे के दौरान मंगलवार को राहुल गांधी से हुई मुलाकात के बारे में कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता से बातचीत की।

शिवकुमार ने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने उनसे बात नहीं की। मैं यह खुलासा नहीं कर सकता कि हमारी क्या चर्चा हुई। यह मेरे और उनके बीच की बात है।' उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, 'मैं कल दिल्ली जा रहा हूं, जहां मैं उनसे (राहुल गांधी से) मिलूंगा। मेरी असम विधानसभा चुनावों पर उनसे बैठक है।'

शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से हुई मुलाकात के बारे में कहा कि पार्टी की राज्य इकाई का अध्यक्ष होने के नाते राष्ट्रीय अध्यक्ष का राज्य दौरे पर स्वागत करना पार्टी प्रोटोकॉल का हिस्सा है। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात के बाद उनके समर्थकों में उमड़ी खुशी के बारे में पूछे गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें ऐसी प्रतिक्रियाओं की जानकारी नहीं है।

शिवकुमार ने कहा, ''राहुल गांधी से मेरी मुलाकात कोई नई बात नहीं है। मुझे नहीं पता कि आपको यह किसने बताया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य लोगों से मेरी मुलाकात ऐसी बात नहीं है, जिस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की जा सके।

असम ने 2030 तक 3,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखाः हिमंत

गुवाहटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य ने वर्ष 2030 तक 3,500 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने धुबरी जिले के बिलासीपारा क्षेत्र के खुदीगांव में 70 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अतिक्रमण मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर विकास परियोजनाएं शुरू करेगी, जिससे रोजगार पैदा करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

शर्मा ने सौर पार्क का उद्घाटन करने के बाद एक्स पर लिखा, ''आज हमारी सौर क्षमता 680 मेगावाट तक पहुंच गई है और अप्रैल तक हम 750 मेगावाट के आंकड़े को छू लेंगे। हम एक टिकाऊ

और स्वच्छ उर्जा भविष्य की ओर निरंतर बढ़ रहे हैं।''

उन्होंने कहा, असम का सौर ऊर्जा लक्ष्य 2030 तक 3,500 मेगावाट है।'' यह नयी परियोजना एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एसजीईएल) और असम पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एपीडीसीएल) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है।

एसजीईएल, सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनी यह परियोजना सालाना 14.1 करोड़ यूनिट बिजली पैदा करेगी और कार्बन उत्सर्जन में लगभग 1.15 लाख टन की कमी लाएगी। शर्मा ने उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार अतिक्रमण से मुक्त कराई गई भूमि पर ही विकास परियोजनाएं शुरू करेगी।

उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करना और उन पर परियोजनाएं शुरू करना है। इससे रोजगार सृजन होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

बदलाव लाने में जनभागीदारी महत्वपूर्ण हैः उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि बदलाव लाने के लिए जनभागीदारी महत्वपूर्ण है और इसकी शुरुआत नागरिकों के मतदान के लिए बाहर निकलने से होती है।

अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा, ''बदलाव केवल वही लोग ला सकते हैं जो इसमें भाग लेने के लिए तैयार हों। भाग लेने का मतलब यह नहीं है कि मैं उम्मीदवार के रूप में खड़ा हो जाऊं। भाग लेने का मतलब यह भी होता है कि मैं कम से कम बाहर आकर अपने वोट का इस्तेमाल करूं।''

अब्दुल्ला मुंबई के 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज' (आईआईसीटी) में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। अब्दुल्ला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान आवश्यक हैं।

अब्दुल्ला ने कहा कि चाहे जम्मू-कश्मीर हो, महाराष्ट्र हो या मुंबई, लोगों की अपनी-अपनी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा कि जब नतीजे आएंगे तो वोट ही भविष्य का फैसला करेंगे। उन्होंने कहा, ''इस बार महाराष्ट्र का राजनीतिक माहौल भी कुछ अजीब था। न दोस्त थे, न दुश्मन। दोस्त दुश्मन बन गए और दुश्मन दोस्त। और अजीबो-गरीब रिश्ते बन गए।''

मुंबई में थमा मतदान, बीजेपी -महायुति और ठाकरे बंधुओं के बीच सत्ता का महासंग्राम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई । मुंबई में महत्वपूर्ण बीएमसी चुनावों के साथ-साथ महाराष्ट्र भर के 28 अन्य नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान संपन्न हो गया है। मुंबई में हुए महत्वपूर्ण बीएमसी चुनावों में यह आरोप लगने से विवाद खड़ा हो गया कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगी स्याही को एसीटोन से आसानी से मिटाया जा सकता है। यह दावा इंटरनेट पर खूब वायरल हुआ और कई विपक्षी नेताओं ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। इस बीच, चुनाव आयोग ने एक बयान जारी कर इस आशंका को खारिज कर दिया कि कोई मतदाता दो बार वोट डाल सकता है और घटना की जांच के आदेश भी दिए।

देश के सबसे अमीर महानगरपालिका के 227 पार्षदों को चुनने के लिए सुबह 7:30 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हुआ जो शाम 5:30 बजे समाप्त हुआ। बीएमसी पार्षद चुने जाने के लिए करीब 1,700 उम्मीदवार मैदान में हैं। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक अपराह्न 1.30 बजे तक पूर्वी उपनगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 114 में सबसे अधिक 41.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो मुंबई के कुछ हिस्सों में मजबूत मतदाता भागीदारी को दर्शाता है। दक्षिण मुंबई के वार्ड नंबर 227 में शुरुआती छह

घंटों में सबसे कम 11.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र में 29 नगर निकायों के चुनाव के लिए बृहस्पतिवार सुबह मतदान शुरू हुआ और सबकी नजर मुंबई पर टिकी है, जहां आर्थिक रूप से समृद्ध बीएमसी पर शासन को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत महायुति और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच दिलचस्प मुकाबला है। निकाय चुनाव में मतदान करने वाले प्रमुख नेताओं में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक शामिल हैं। अक्षय कुमार, आमिर खान, गुलजार, सलीम खान, परेश रावल, हेमा मालिनी, जॉन अब्राहम, सोनाली बेंद्रे, ईशा कोप्पिकर, तमन्ना भाटिया, दिव्या दत्ता और गायक कैलाश खेर जैसी फिल्मी हस्तियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिग्गज क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजली, बेटी सारा और मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर ने भी अपने-अपने वार्ड में मतदान किया।

मुंबई में दोपहर 3:30 बजे तक 41.08इ मतदान दर्ज किया गया। चल रहे बीएमसी चुनावों में सलमान खान, जाह्नवी कपूर, सौम्या टंडन और अन्य सहित कई बॉलीवुड हस्तियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करते देखा गया। कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां शुरुआती मतदान करने वालों में शामिल थीं। महाराष्ट्र के मंत्री गणेश नाइक और उनके परिवार ने बोनकोड मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला, जबकि पूर्व राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्र ने उच्च आय वाले मतदाताओं की शिकायत करने के बावजूद वोट न डालने की आलोचना की।

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आनंद दुबे और अनिल परब ने भी मुंबई में मतदान किया और मतदान केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं को लेकर चिंता जताई। दुबे ने चुनाव आयोग की वेबसाइट में खामियों और डिजिटल मतपत्रों के प्रदर्शन में अनियमितताओं की ओर इशारा किया, जबकि परब ने दावा किया कि चुनाव स्याही को मिटाया जा सकता है, जिससे संभावित छेड़छाड़ का संकेत मिलता है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी मतदाता नामों के गायब होने, पुरानी ईवीएम मशीनों और स्याही की अनियमितताओं का हवाला देते हुए प्रक्रिया की कड़ी आलोचना की। ठाकरे ने इन घटनाओं को 'लोकतंत्र पर खुला हमला' करार दिया और इन्हें 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रस्ताव से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ा।

एक नंबर, अनेक मदद

मोबाइल पर इंटरनेट न होने पर भी आपकी सेवा में उपस्थित भारतीय रेल की हेल्पलाइन संख्या 139

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं त्वरित सहायता के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा अखिल भारतीय हेल्पलाइन संख्या 139 संचालित की जा रही है। यह हेल्पलाइन चौबीस घंटे, सप्ताह के सभी दिनों यात्रियों के लिए उपलब्ध है। आपके मोबाइल पर इंटरनेट की सुविधा न होने अथवा मोबाइल में नेटवर्क उपलब्ध न होने की स्थिति में भी आप 139 नंबर पर लघु संदेश भेजकर भारतीय रेल की इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लघु संदेश माध्यम से यह सेवा इस प्रकार कार्य करती है कि यदि आपको अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति जाननी हो तो स्थिति शब्द लिखने के बाद एक स्पेस देकर ट्रेन का नंबर लिखकर 139 पर लघु संदेश भेजें। यदि किसी विशेष दिन की ट्रेन की वर्तमान स्थिति जाननी हो तो स्थिति शब्द लिखने के बाद स्पेस देकर ट्रेन का नंबर तथा पुनः स्पेस देकर दिन-माह-वर्ष प्रारूप में दिनांक लिखकर 139 पर लघु संदेश भेजें।

इसी प्रकार, किसी विशेष दिन किसी विशेष स्टेशन पर ट्रेन की वर्तमान स्थिति जानने के लिए स्थिति शब्द लिखने के बाद स्पेस देकर ट्रेन का नंबर, फिर स्पेस देकर दिन-माह-वर्ष और उसके

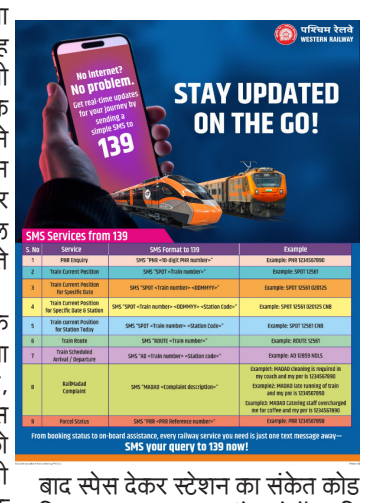

बाद स्पेस देकर स्टेशन का संकेत कोड लिखकर 139 पर लघु संदेश भेजें। यदि किसी ट्रेन का मार्ग जानना हो तो मार्ग शब्द लिखने के बाद स्पेस देकर ट्रेन का नंबर लिखकर 139 पर लघु संदेश भेजें।

यदि किसी यात्री को ट्रेन का निर्धारित आगमन एवं प्रस्थान समय जानना हो तो आगमन-प्रस्थान शब्द लिखने के बाद स्पेस देकर ट्रेन का नंबर तथा उसके बाद स्पेस देकर स्टेशन का संकेत कोड लिखकर 139 पर लघु संदेश भेजें। रेल मदद के अंतर्गत रेल सुविधाओं से संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए मदद शब्द लिखने के बाद स्पेस देकर अपना पीएनआर नंबर तथा शिकायत का विवरण 139 नंबर पर लघु संदेश करें।

इस सुविधा के माध्यम से यात्री अपने बुक किए गए पार्सल की स्थिति भी जान सकते हैं, जिसके लिए पार्सल-स्थिति शब्द लिखने के बाद स्पेस देकर पार्सल संदर्भ संख्या 139 पर लघु संदेश करनी होगी। हेल्पलाइन 139 के माध्यम से यात्री ट्रेन से संबंधित पूछताछ एवं जानकारी, टिकट, आरक्षण एवं रद्दीकरण से जुड़ी जानकारी, ट्रेन की समय-सारिणी एवं चलती ट्रेन की वर्तमान स्थिति, शिकायत दर्ज करना तथा शिकायत की स्थिति जानना, आपात स्थिति में त्वरित सहायता, स्वच्छता, सुरक्षा, खानपान एवं अन्य यात्री सुविधाओं से संबंधित सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यात्री कॉल, लघु संदेश अथवा मोबाइल के माध्यम से हेल्पलाइन 139 पर संपर्क कर सकते हैं। यह सेवा बहुभाषी है, जिससे यात्रियों को अपनी भाषा में सहायता प्राप्त होती है।

धुले में निकाय चुनाव के दौरान हिंसा, शिवसेना नेता के घर हमला; ईवीएम को पहुंचाया नुकसान

मुंबई। महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों के बीच धुले में बीते 48 घंटों में भारी हंगामा देखने को मिला। यहां दो गुटों के बीच झड़प हुई और एक ईवीएम को नुकसान पहुंचाया गया। इसके साथ ही भीड़ ने एक शिवसेना नेता के घर पर हमला किया। बिगड़ते हालातों को देखते हुए धुले में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की है। प्रशासन ने उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

अधिकारियों ने दी जानकारी

अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार शाम देवपुर की कृषि कॉलोनी में शिवसेना के जिला प्रमुख मनोज मोरे के घर पर करीब 20 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया। भीड़ घर में घुस गई, पत्थर फेंके और गाड़ियों को तोड़ दिया। पुलिस का कहना है कि उम्मीदवारी वापस लेने को लेकर मनोज मोरे और भाजपा नेता विलास शिंदे के बीच विवाद था। पुलिस ने दोनों नेताओं के समर्थकों के खिलाफ दंगा और गैरकानूनी भीड़ जमा करने का मामला दर्ज किया है।

एक घंटे रूकी रही चुनाव प्रक्रिया

गुरुवार सुबह हिंसा की एक और घटना

हुई। वार्ड नंबर 18 के एक स्कूल में दो गुट आपस में भिड़ गए। इस दौरान कुछ लोग पोलिंग बूथ के अंदर घुस गए और एक ईवीएम को तोड़ दिया। इस हंगामे के कारण चुनाव प्रक्रिया एक घंटे से ज्यादा समय तक रुकी रही।

सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात

पुलिस ने बताया कि नई मशीन लगाने के बाद वोटिंग फिर शुरू हुई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है और उपद्रवियों पर मामला दर्ज करने की कार्रवाई चल रही है। बता दें कि महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में गुरुवार को वोट डाले गए और शुक्रवार को वोटों की गिनती होगी।

लोकतंत्र के महापर्व में सहभागी मुंबईकरों की सेवा के लिए महानगरपालिका का सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग तत्पर

महानगरपालिका क्षेत्र में चिकित्सक, परिचारिकाएँ एवं एम्बुलेंस तैनात 1,600 से अधिक टीमें कार्यरत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आज प्रातः से बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में लोकतंत्र के महापर्व का उत्सव आरंभ हो गया है। वरिष्ठ नागरिकों सहित पहली बार मतदाता बने नए मतदाता अत्यंत उत्साह के साथ मतदान प्रक्रिया में भाग ले रहे हैं। इन मतदाताओं तथा निर्वाचन कार्य में संलग्न कर्मचारियों को किसी भी चिकित्सकीय आवश्यकता की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की पहल पर महानगरपालिका क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सकीय सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इसके लिए चिकित्सकों, परिचारिकाओं एवं संबंधित चिकित्सकीय कर्मचारियों की कुल 1,674 टीमें ड्यूटी पर तैनात की गई हैं।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि महानगरपालिका आयुक्त श्री भूषण गगरानी के मार्गदर्शन में अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (पश्चिम उपनगर), अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (नगर) डॉ. अश्विनी जोशी के निर्देशन में बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सकीय सेवाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इसमें 3,300 से अधिक चिकित्सकीय अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर मरीज को तत्काल अस्पताल पहुँचाने के लिए 80 एम्बुलेंस तैनात की गई हैं। प्राथमिक चिकित्सकीय सेवाओं हेतु आवश्यक दवाइयाँ, गोलियाँ, इंजेक्शन आदि भी सभी चिकित्सकीय टीमों को उपलब्ध कराए गए हैं।

इसी दौरान 'हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे अस्पताल' भी प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक कार्यरत है। साथ ही, बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों, निजी अस्पतालों आदि को भी चिकित्सकीय सेवाओं की दृष्टि से सतर्क एवं तैयार रहने के निर्देश पूर्व में ही दिए गए हैं। इन सभी व्यवस्थाओं तथा विभिन्न स्तरों पर किए गए नियोजन के कारण आवश्यकता पड़ने पर तत्काल चिकित्सकीय सेवाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं, यह जानकारी इस अवसर पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई है।

स्याही मिटाकर गलत कार्य करने पर पुनः मतदान करना संभव नहीं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मतदाता की उँगली पर लगाई गई स्याही को मिटाने का प्रयास कर मतदाताओं में भ्रम उत्पन्न करना एक दुष्कृत्य है। साथ ही, यदि यह पाया जाता है कि कोई व्यक्ति उँगली की स्याही मिटाकर पुनः मतदान करने आता है,

तो उसके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी, यह स्पष्टीकरण राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिया गया है।

यदि कोई व्यक्ति उँगली पर लगी स्याही को पोंछकर अपराध करने का प्रयास करता है, तब भी संबंधित मतदाता पुनः मतदान नहीं कर सकता। इस संबंध में पहले से ही सभी आवश्यक सावधानियाँ बरती गई हैं। मतदाता द्वारा मतदान करने के पश्चात उसका विधिवत अभिलेख तैयार किया जाता है। अतः केवल उँगली की स्याही मिटाकर कोई भी मतदाता दोबारा मतदान नहीं कर सकता। इस विषय में सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुनः सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की उँगलियों पर स्याही लगाने हेतु मार्कर पेन के उपयोग संबंधी आदेश दिनांक 19 नवंबर 2011 तथा 28 नवंबर 2011 को जारी किए गए हैं। तब से स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनावों में मतदाताओं की उँगलियों पर स्याही लगाने के लिए मार्कर पेन का उपयोग किया जा रहा है। इन आदेशों के अनुसार, स्याही इस प्रकार लगाई जानी चाहिए कि वह मतदाता की उँगली पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे। साथ ही, उँगली के नाखून के ऊपर की त्वचा तथा नाखून पर तीन से चार बार रगड़कर स्याही लगाने के निर्देश पूर्व में दिए गए हैं तथा ये निर्देश मार्कर पेन पर भी अंकित हैं।

अतः राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे उँगली की स्याही मिटाने जैसे अपराध का प्रयास न करें।

ब्रोकोली के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना के लिए नीति लागू करेंगेः डॉ. मेहराज ए. एस.

मुंबईः सुपरफूड के रूप में प्रसिद्ध हो चुकी ब्रोकोली की खेती, प्रचार और प्रसार के लिए केंद्र सरकार एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेगी। खेती, भंडारण और प्रसंस्करण के लिए आवश्यक सहयोग केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। यह आश्वासन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के उप आयुक्त (प्राकृतिक खेती और जलवायु परिवर्तन) डॉ. मेहराज ए. एस. ने दिया। मुंबई में आयोजित 'ब्रोकोली कंजम्पशन कॉन्फ्रेंस-2026' का उद्घाटन मान्यवरों द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि आयुक्त डॉ. पी. के. सिंह, जापान के वाणिज्य दूत यागी कोजी, विशेष अतिथि डॉ. मेहराज ए. एस., सकाता सीड्स के प्रबंध निदेशक केनजी ताकीकावा, स्पेन में ब्रोकोली क्रांति के जनक जेवियर बरनाबू, और प्रोफेसर डॉ. शालिनी आर्या उपस्थित थे।

कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करते हुए सकाता सीड्स के निदेशक रमेश शिरगुप्पी ने कहा, 'ब्रोकोली परिषद 2016 सब्जी क्षेत्र में पहला ऐसा प्रयास है। इस परिषद की थीम है 'हर किसी के लिए स्वास्थ्य और खुशी'। इस अवसर पर ब्रोकोली की खेती से लेकर कटाई और बिक्री तक के सभी हितधारकों को एक साथ लाया गया है। यह परिषद भविष्य में निवेश है और हम हर संभव प्रयास करेंगे कि हर किसी की थाली में ब्रोकोली शामिल हो, ताकि स्वस्थ जीवन जीया जा सके। युवाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक 'ब्रोकोली इज गोल्ड', 'होली हो या दिवाली', 'रोज खाओ ब्रोकोली' जैसे नारों के साथ जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।'

सकाता सीड्स के प्रबंध निदेशक केनजी ताकीकावा ने भारत में सकाता सीड्स के 2008 से शुरू हुए 17 साल के सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस परिषद के माध्यम से ब्रोकोली की खेती से लेकर प्रसंस्करण तक के सभी हितधारकों को एक साथ लाया गया है।

डॉ. मेहराज ए. एस. ने कहा, 'सब्जी क्षेत्र में यह पहली ब्रोकोली परिषद है, जो मूल्य संवर्धन प्रक्रिया और स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण साबित होगी। किसानों को खेती कैसे करनी है, यह सिखाने की जरूरत नहीं है; उन्हें सिर्फ बाजार चाहिए। ब्रोकोली क्षेत्र में हम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए जापान सरकार से सहायता ली जा सकती है। आलू के लिए उपलब्ध कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं को ब्रोकोली के लिए अपग्रेड करना होगा। भविष्य में जैविक तरीके से ब्रोकोली की खेती भी महत्वपूर्ण होगी और इसके लिए सरकार आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।'

जापान के वाणिज्य दूत यागी कोजी ने कहा, 'ब्रोकोली जापान का मूल पौधा नहीं है। जापान सरकार के प्रयासों से ब्रोकोली दुनिया भर में फैली। प्राकृतिक रूप से सुपर सीड वाली ब्रोकोली जापान से 170 देशों में पहुंची है। भारत के लिए हमने भारत के मौसम के अनुकूल बीज उत्पादन किया है। भारत के पोषण और समग्र विकास के लिए ब्रोकोली एक महत्वपूर्ण घटक साबित होगी।'

परिषद के दौरान क्रिकेटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने प्रेरणादायक भाषण दिया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था, तब स्वास्थ्य कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। लेकिन अब मेरी पत्नी मुझे हफ्ते में चार बार ब्रोकोली सूप पिलाती हैं। क्रिकेट खेलते समय मैंने हमेशा प्राकृतिक खेल को प्राथमिकता दी। स्वस्थ और आनंदमय जीवन जीने के लिए जो भी जरूरी है, उसे हर किसी को करना चाहिए।' क्रिकेट और जीवन के विभिन्न अनुभव साझा करते हुए उन्होंने सुखी जीवन जीने का मूल मंत्र भी दिया।

इसके बाद शिनया किमोरा ने ब्रोकोली के वैश्विक प्रचार, प्रसार और अवसरों पर प्रस्तुति दी। इसके बाद 'ब्रोकोली फूड एंड हेल्थ' विषय पर पैनल चर्चा हुई, जिसमें डॉ. नाज़नीन हुसैन, डॉ. ताईशेटे, डॉ. शालिनी आर्या, संतोष मोरे, मारुती चापके और विवेक नायक ने भाग लिया। ब्रोकोली के स्वास्थ्य लाभ, रेसिपी और ब्रोकोली उत्पादों पर चर्चा हुई।

स्पेन में ब्रोकोली क्रांति के जनक जेवियर बरनाबू ने स्पेन में विभिन्न स्तरों पर प्रचार, जन जागरूकता और प्रसार के माध्यम से ब्रोकोली कैसे बढ़ी, इस पर प्रस्तुति दी। अंतरराष्ट्रीय लाइफस्टाइल कोच और न्यूट्रिशनिस्ट क्लाउडिया सीएस्ला ने भारत में कुपोषण से अतिपोषण की तुलना करते हुए ब्रोकोली के स्वास्थ्य लाभ और पोषण मूल्यों पर जानकारी दी तथा इसे सुपर-रिच फूड बताया।

दूसरे सत्र में 'ब्रोकोली कोल्ड चेन' विषय पर चर्चा हुई, जिसमें अविनाश जोशी, आकाश अग्रवाल, संतोष सहाने और रजन वारे शामिल हुए। ब्रोकोली के लिए आवश्यक गोल्ड चेन स्थापना, प्री-कूलिंग और परिवहन पर गहन चर्चा हुई।

परिषद का एक हिस्सा कुकिंग कॉम्पिटिशन था, जो सेलिब्रिटी मास्टर शेफ संजीव कपूर के मार्गदर्शन में हुआ। प्रतियोगियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। संजीव कपूर ने अपने ब्रोकोली से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि चार सब्जियों में से ब्रोकोली उनकी सबसे पसंदीदा है। उन्होंने अपने पहले फूड टीवी शो में ब्रोकोली डिश बनाने की याद भी ताजा की।

कार्यक्रम के आभार सकाता सीड्स के मार्केटिंग हेड किशोर गायकवाड़ ने व्यक्त किए।

कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु सगुणा बाग के संस्थापक चंद्रशेखर भडसावले को विशेष सम्मान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले विशेष 'आत्मीय मिलन समारोह' के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने देशभर से 250 विशिष्ट व्यक्तियों को आमंत्रित किया है। इन आमंत्रितों में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाले व्यक्तित्वों का समावेश है।

इन्हीं विशिष्ट आमंत्रितों में महाराष्ट्र स्थित 'सगुणा बाग' के संस्थापक, कृषि रत्न चंद्रशेखर हरि भडसावले का भी समावेश है। कृषि, प्राकृतिक खेती, शून्य जुताई पद्धति, जल संरक्षण, कृषि पर्यटन तथा ग्रामीण विकास के क्षेत्र में लंबे समय से किए गए अथक प्रयासों एवं उल्लेखनीय कार्यों के लिए उन्हें यह विशेष आमंत्रण प्राप्त हुआ है।

चंद्रशेखर भडसावले वर्ष 1976 से कृषि कार्य में संलग्न हैं। उन्होंने नेरल, जिला रायगढ़ स्थित अपने सगुणा बाग को समन्वित कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी, उद्यानिकी, पशुपालन एवं पर्यटन का एक आदर्श मॉडल बनाया है। आज यह स्थान देशभर के किसानों, विद्यार्थियों एवं पर्यटकों के लिए शिक्षा एवं प्रेरणा का केंद्र बन चुका है। उनके कार्यों ने किसानों को सम्मान और आत्मविश्वास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'आत्मीय मिलन समारोह' गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम के पश्चात आयोजित किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश के विभिन्न भागों से विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ष इस समारोह का मुख्य आकर्षण उत्तर-पूर्व भारत के हस्तशिल्प एवं सांस्कृतिक विरासत, अर्थात अष्टलक्ष्मी राज्यों की सांस्कृतिक झलक है।

धुले में चुनाव के दौरान बवाल, ईवीएम क्षतिग्रस्त, बीजेपी और शिंदे गुट के समर्थकों में विवाद

मुंबई(संवाददाता) । महाराष्ट्र के धुले में पिछले 48 घंटों में नगर निकाय चुनाव को लेकर हिंसा की कई घटनाएं देखने को मिलीं. दो गुटों के बीच झड़प के दौरान एक ईवीएम को नुकसान पहुंचाया गया, जबकि एक अन्य घटना में भीड़ ने शिवसेना के नेता के घर पर हमला किया. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि बुधवार (14 जनवरी) की शाम को देवपुर की कृषि कॉलोनी में शिवसेना के धुले जिला प्रमुख मनोज मोरे के घर पर उम्मीदवारी वापस लेने के मुद्दे पर 20 लोगों की भीड़ ने हमला किया.

उम्मीदवारी वापस लेने को विवाद

अधिकारी ने बताया कि कथित तौर पर उम्मीदवारी वापस लेने को लेकर उनके और बीजेपी के विलास शिंदे के बीच हुए विवाद के कारण एक समूह ने मोरे के घर में जबरन घुसकर पथराव किया और वाहनों को नुकसान पहुंचाया. अधिकारी ने बताया कि मोरे और शिंदे दोनों के समर्थकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत दंगा करने और गैरकानूनी जमावड़े के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुवार (15 जनवरी) की सुबह धुले के वार्ड नंबर 18 स्थित एक स्कूल में दो समूहों के बीच झड़प हुई.

ईवीएम को पहुंचाया गया नुकसान-अधिकारी

इसके बाद कुछ लोग मतदान केंद्र में घुस गए और एक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को क्षतिग्रस्त कर दिया. अधिकारी ने बताया कि इस घटना के कारण मतदान प्रक्रिया एक घंटे से अधिक समय तक बाधित रही.

अधिकारी ने जानकारी दी, 'नई ईवीएम लगाए जाने के बाद मतदान प्रक्रिया दोबारा शुरू की गई. मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है. कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

मतदान खत्म, 16 को नतीजे; मुंबई में बीएमसी सहित राज्य के 29 निगमों में रोचक सियासी लड़ाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों के लिए मतदान गुरुवार शाम समाप्त हो गए। बृहन्मुंबई नगर निगम सहित 29 नगर निगमों में यह चुनाव तीन साल के देरी से हो रहे हैं। यह चुनाव एक ही चरण हुए। मतदाता चुनाव में आसानी से वोट कर सकें इसके लिए सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की गई थी। ग्रेटर मुंबई के सभी पोलिंग स्टेशनों पर सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक वोटिंग हुई। नतीजे 16 जनवरी, 2025 को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव से जुड़ी कुछ जरूरी तारीख

नामांकन का प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से शुरू हुई थी। वहीं नामांकन की आखिरी तारीख 30 दिसंबर थी। जिन उम्मीदवारों ने नामांकन कर दिया था, लेकिन किसी कारण वश नाम वापस लेना हो तो उसकी तारीख 2 जनवरी 2026 रखी गई थी। 3 जनवरी को जो उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, उनकी अंतिम सूची जारी हुई थी। मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा। नतीजों की घोषणा 16 जनवरी 2025 को होगी।

बीएमसी में 1.03 करोड़ मतदाता

बीएमसी की सभी 227 वार्डों में 1.03 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालने के योग्य हैं। महराष्ट्र में कुल 29 नगर निगम हैं। इसमें से बीएमसी यानी बृहन्मुंबई नगर निगम सबसे बड़ा नगर निगम है।

किस गठबंधन के पास कितनी सीटें

सबसे पहले बात सत्तारूढ़ पार्टी की करते हैं। इसमें भाजपा-शिव सेना (एकनाथ शिंदे) शामिल हैं। इस गठबंधन का नाम आरपीआई महायुति गठबंधन है। बीएमसी के लिए महायुति के घटक दल भाजपा 137 और शिव सेना 90 सीटों पर चुनावी मैदान में है। इसके साथ ही महायुति की तीसरी सहयोगी एनसीपी जो विधानसभा में गठबंधन के साथ है, उसने अकेले चुनाव लड़ने का एलान करते हुए 94 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं दूसरे गठबंधन की बात करें तो कांग्रेस के 143 उम्मीदवार मैदान में हैं। बीएमसी में कांग्रेस का साथ पूर्व सांसद प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी दे रही है। वीबीए ने 42 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस की एक और सहयोगी है राष्ट्रीय समाज पक्ष। यह छह सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

तीसरे गठबंधन की बात करें तो वह शिवसेना (उद्धव ठाकरे), एनसीपी (शरद पवार) और मनसे (राज ठाकरे) का है। शिवसेना के पास 150 से ज्यादा सीटें हैं, एनसीपी के पास 11 और हाल ही में अपने भाई से जुड़ने वाले राज ठाकरे की पार्टी बची हुई बाकि सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

'मिटने वाली स्याही' पर मचा घमासान, वायरल वीडियो पर ईसी ने दिए जांच के आदेश

मुंबई । मुंबई में दोपहर 3:30 बजे तक 41.08इ मतदान दर्ज किया गया। चल रहे बीएमसी चुनावों में सलमान खान, जाह्नवी कपूर, सौम्या टंडन और अन्य सहित कई बॉलीवुड हस्तियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करते देखा गया। दूसरी ओर महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगाई गई अमिट स्याही को मिटाए जाने की शिकायतों के बाद जांच के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसीटोन या नेल पॉलिश से अमिट स्याही को मिटाने के दावे झूठे हैं और चेतावनी दी कि स्याही मिटाने या मतदाताओं के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वाघमारे ने पत्रकारों से कहा कि मतदाताओं की उंगलियों पर लगाए जाने वाले मार्करों में इस्तेमाल होने वाली अमिट स्याही 2011 से ही इस्तेमाल में है। ये मार्कर एक ही कंपनी द्वारा निर्मित हैं और इनमें स्याही की संरचना भी एक जैसी है। लगाने के बाद स्याही को सूखने में 10 से 12 सेकंड लगते हैं और एक बार सूखने के बाद इसे मिटाया नहीं जा सकता। मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा करने के लिए सोशल मीडिया पर स्याही से संबंधित वीडियो प्रसारित करना अस्वीकार्य है और इसके लिए कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

कई प्रमुख राजनीतिक हस्तियां शुरुआती मतदान करने वालों में शामिल थीं। महाराष्ट्र के मंत्री गणेश नाइक और उनके परिवार ने बोनकोड मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला, जबकि पूर्व

राज्यसभा सांसद सुभाष चंद्र ने उच्च आय वाले मतदाताओं की शिकायत करने के बावजूद वोट न डालने की आलोचना की। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आनंद दुबे और अनिल परब ने भी मुंबई में मतदान किया और मतदान केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं को लेकर चिंता जताई। दुबे ने चुनाव आयोग की वेबसाइट में खामियों और डिजिटल मतपत्रों के प्रदर्शन में अनियमितताओं की ओर इशारा किया, जबकि परब ने दावा किया कि चुनाव स्याही को मिटाया जा सकता है, जिससे संभावित छेड़छाड़ का संकेत मिलता है।

शिवसेना यूबीटी प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी मतदाता नामों के गायब होने, पुरानी ईवीएम मशीनों और स्याही की अनियमितताओं का हवाला देते हुए प्रक्रिया की कड़ी आलोचना की। ठाकरे ने इन घटनाओं को 'लोकतंत्र पर खुला हमला' करार दिया और इन्हें 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रस्ताव से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ा।

महाराष्ट्र चुनाव में 'स्याही' पर संग्राम, उद्धव ठाकरे बोले- सैनिटाइजर से मिट रही, धांधली हो रही

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों में चुनावी धांधली के आरोप लगाए। ठाकरे ने आरोप लगाया कि मतदान के बाद मतदाताओं की उंगलियों पर लगाई जाने वाली अमिट स्याही को नेल पॉलिश रिमूवर और सैनिटाइजर से आसानी से हटाया जा रहा है, जिससे कुछ लोग एक से अधिक बार वोट डाल पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सत्ताधारी महायुति और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के बीच 'मिलीभगत' का सबूत है।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे ने आरोप लगाया कि शायद यह पहला चुनाव है जिसमें इतनी शिकायतें आ रही हैं कि लगाई गई स्याही तुरंत हट रही है। चुनाव आयोग और सत्ताधारी पार्टी के बीच मिलीभगत है। कई अनियमितताएं हो रही हैं। चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग पर कटाक्ष किया और पूछा कि क्या उन्होंने स्याही को इतनी आसानी से हटाने के लिए किसी सैनिटाइजर एजेंसी को काम पर रखा था? उन्होंने कहा कि क्या चुनाव आयोग ने किसी सैनिटाइजर एजेंसी को काम पर रखा है? मुझे लगता है कि चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने पिछले नौ वर्षों में क्या किया है? चुनाव आयोग एक सेवक है, राजा नहीं। मैं आप सभी से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि कई लोग यह नहीं जानते कि उनका मतदान केंद्र कौन सा है...इसी वजह से कई समस्याएं आ रही हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने मोबाइल पर सैनिटाइजर या नेल पॉलिश रिमूवर से स्याही हटाने का कथित सबूत दिखाते हुए कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहां लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा, 'चुनाव आयुक्त वेतन क्यों ले रहे हैं? बीएमसी चुनाव नौ साल बाद हो रहे हैं। इन नौ सालों में उन्होंने क्या किया? यह जनता का पैसा है। ऐसा लगता है कि हमारे कर्मचारियों को हर दिन चुनाव आयुक्त के कार्यालय में बैठकर उनसे पूछना पड़ेगा कि उन्होंने क्या-क्या काम किया है।'

'हिंद दी चादर' कार्यक्रम के प्रति जनजागृति हेतु नांदेड़ जिले में विविध उपक्रम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नांदेड़। श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहादत वर्ष के उपलक्ष्य में नांदेड़ में दिनांक 24 एवं 25 जनवरी 2026 को भव्य एवं ऐतिहासिक 'हिंद दी चादर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिले में विद्यालय स्तर पर विविध प्रतियोगिताओं के माध्यम से जनजागृति अभियान संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी विद्यालयों में 'हिंद दी चादर' विषय पर निबंध, चित्रकला, भाषण, वृत्तचित्र, चलचित्र एवं गीत प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों तक श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के बलिदान, त्याग एवं धर्मनिष्ठा का संदेश पहुँचाना है।

इसी क्रम में लोहा तालुका के पेनूर स्थित जिला परिषद उच्च विद्यालय में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा चलचित्र का प्रदर्शन किया गया।

कंधार तालुका के फुलवळ केंद्र अंतर्गत जिला परिषद उच्च विद्यालय में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय जैतापुर तथा जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय रहाटी बी.यू. में विद्यार्थियों को 'हिंद दी चादर' वृत्तचित्र दिखाया गया।

कंधार तालुका के जिला परिषद केंद्रीय प्राथमिक विद्यालय चिखली, जिला परिषद केंद्रीय प्राथमिक विद्यालय कौठा तथा जिला परिषद कन्या विद्यालय कौठा में विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही चलचित्र के माध्यम से विद्यार्थियों को श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के महान कार्यों की जानकारी दी गई।

जिला परिषद नविवाडी, जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय बलिरामपुर (केंद्र वासराणी), जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय ब्राह्मणवाडा तथा जिला परिषद उच्च विद्यालय भयगाव में विद्यार्थियों को 'हिंद दी चादर' गीत एवं चलचित्र प्रदर्शित किया गया।

जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय काकांडी में दूरदर्शन के माध्यम से 'हिंद दी चादर' गीत एवं कथाप्रस्तुति दिखाई गई। इसके अतिरिक्त जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय तुप्पा तथा जिला परिषद प्राथमिक विद्यालय तुप्पा में विद्यार्थियों को 'हिंद दी चादर' चलचित्र दिखाया गया।

कार्यक्रम के व्यापक प्रचार एवं प्रसार हेतु जिले के सभी विद्यालयों, आश्रमशालाओं एवं महाविद्यालयों में शैक्षणिक एवं जनजागृति गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। दिनांक 15 से 23 जनवरी 2026 तक जनजागृति अभियान के अंतर्गत प्रभातफेरी का आयोजन किया गया है। दिनांक 25 जनवरी 2026 तक विद्यालयों में दिनचर्या के दौरान श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के कार्यों पर आधारित गीत प्रस्तुति, वृत्तचित्र प्रदर्शनी, 'हिंद दी चादर - श्री गुरु तेग बहादुर' नारा प्रसार, तालुका स्तरीय प्रतियोगिताएँ (दिनांक 15 से 17 जनवरी 2026) अंतर्गत चित्रकला, गायन, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही दिनांक 20 जनवरी 2026 को सच्चखंड पब्लिक स्कूल के समीप, हिंगोली गेट, नांदेड़ स्थित गुरु ग्रंथ साहिबजी भवन में जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता का अवसर प्रदान किया गया है। जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। 'हिंद दी चादर' कार्यक्रम के अनुरूप आज से जिलेभर में विद्यार्थियों की प्रभातफेरी के माध्यम से जनजागृति अभियान प्रारंभ किया गया है।

नवी मुंबई महानगरपालिका सार्वत्रिक चुनाव में मतदाताओं का सर्वत्र उत्साहपूर्ण प्रतिसाद- महानगरपालिका की सुनियोजित व्यवस्था – आयुक्त द्वारा मतदान केंद्रों का निरीक्षण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका सार्वत्रिक चुनाव 2025-26 के अंतर्गत दिनांक 15 जनवरी 2026 को प्रातः 7.30 बजे मतदान प्रारंभ हुआ। नवी मुंबई के 191 स्थानों पर स्थित 1148 मतदान केंद्रों पर नागरिकों ने उत्साहपूर्वक मतदान किया। महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने बेलापुर से दीघा तक सभी आठ विभागों में स्थित मतदान केंद्रों का प्रत्यक्ष भ्रमण कर निरीक्षण किया तथा मतदान प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी। मतदान केंद्रों पर आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त सुविधाएँ उपलब्ध कराने संबंधी उनके सुझावों को तत्काल अमल में लाया गया। आयुक्त ने नेरुल स्थित रयान इंटरनेशनल स्कूल में जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग भी किया।

प्रातः 7.30 बजे से 9.30 बजे तक 8.18इ, 11.30 बजे तक 19.68इ, 1.30 बजे तक 33.26इ तथा 3.30 बजे तक 45.51इ मतदान हुआ। इस बार का मतदान प्रतिशत वर्ष 2015 के पिछले चुनावों में दर्ज 48.35इ की तुलना में बेहतर रहा।

चूँकि नवी मुंबई महानगरपालिका का चुनाव पहली बार बहु-सदस्यीय पैनल पद्धति से आयोजित किया जा रहा है तथा एक मतदाता को इसमें 4 मत देने होते हैं, इसलिए इसके लिए आवश्यक समय को ध्यान में रखते हुए मतदान सूची इस प्रकार विभाजित की गई कि एक मतदान केंद्र पर 800 से 850 मतदाता हों। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में एक मतदाता को केवल एक मत देना होता था, इसलिए उस समय एक मतदान केंद्र पर 1000 से 1100 मतदाता रखे गए थे। इस बार बहु-सदस्यीय मतदान प्रणाली होने के कारण प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या घटाकर 800 से 850 कर दी गई। इसी कारण अनेक मतदाताओं के नाम इस बार उस मतदान केंद्र से भिन्न मतदान केंद्र पर थे, जहाँ उन्होंने विधानसभा चुनावों में मतदान किया था। इस हेतु महानगरपालिका द्वारा पहले ही बीएलओ के माध्यम से मतदान पर्चियाँ वितरित की गई थीं। फिर भी नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ की नियुक्ति

की गई थी। प्रातःकाल कुछ स्थानों पर मतदान यंत्रों में खराबी की शिकायतें प्राप्त होते ही संबंधित क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा तत्काल कार्रवाई कर नए यंत्र उपलब्ध कराए गए।

आयुक्त के साथ-साथ अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार, डॉ. राहुल घेथे तथा नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड ने भी शहर के विभिन्न भागों में स्थित मतदान केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक सुधार किए।

निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त मुख्य निर्वाचन पर्यवेक्षक, महाराष्ट्र पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक डॉ. भाऊसाहेब दांगड़े तथा निर्वाचन पर्यवेक्षक, महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री धनंजय सावळकर द्वारा भी चुनाव प्रक्रिया पर निकट से निगरानी रखी गई।

180 अस्थायी तंबूयुक्त मतदान केंद्रों पर भी उत्तम व्यवस्थाएँ की गई थीं। मैदानों अथवा आँगनों से लगे केंद्रों के बाहर नागरिकों को छाया उपलब्ध कराने हेतु तंबू लगाए गए थे।

मतदान केंद्रों पर बैठक व्यवस्था, पेयजल सुविधा, शौचालय, चिकित्सकीय दल, आपातकालीन औषधि किट तथा व्हीलचेयर जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई थीं।

प्रत्येक विभाग में 1 इस प्रकार कुल 8 महिला विशेष मतदान केंद्र (पिंक बूथ) तथा 8 पर्यावरण-अनुकूल आदर्श मतदान केंद्र (ग्रीन बूथ) स्थापित किए गए थे। इस संकल्पना को मतदाताओं द्वारा सराहा गया।

मतदाताओं की सहायता के लिए स्वयंसेवक कार्यरत थे। दिव्यांग मतदाताओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा गर्भवती महिलाओं को मतदान में प्राथमिकता दी गई। शिशुओं एवं छोटे बच्चों की सहायता हेतु नियुक्त आशा स्वयंसेविकाओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं के लिए पृथक वाहनों की व्यवस्था की गई थी।

विशेष उल्लेखनीय है कि मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध होने के कारण, यदि कोई मोबाइल फोन अनजाने में साथ आ जाए तो उसे बाहर सुरक्षित रखने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर मोबाइल लॉकर थैलियों की व्यवस्था की गई थी।

कानून एवं व्यवस्था की दृष्टि से सभी मतदान केंद्रों का वेबकास्टिंग किया गया। 1250 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मतदान केंद्रों एवं परिसर की सुरक्षा की गई तथा महानगरपालिका मुख्यालय, संबंधित निर्वाचन अधिकारी कार्यालय एवं पुलिस आयुक्तालय से सीधी निगरानी रखी गई। सभी स्थानों पर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई थी।

14 जनवरी की रात्रि को निर्वाचन कार्य में नियुक्त कर्मचारियों के लिए आवास की व्यवस्था की गई थी तथा आवास स्थलों पर फॉगिंग भी की गई।

16 जनवरी को प्रातः 10 बजे से इन आठ निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों में मतगणना प्रारंभ होगी। इसके लिए पृथक मतगणना अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं तथा उनका प्रशिक्षण भी पूर्ण कर लिया गया है। इस निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने नेरुल स्थित आगरी-कोली संस्कृति भवन में बनाए गए मतगणना केंद्र तथा वहाँ की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से नगर निगम चुनावों को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु प्रत्येक स्तर पर विशेष सावधानी बरती गई। महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने स्वयं प्रत्येक पहलू पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया। प्रातः से ही आयुक्त सभी विभागों का निरीक्षण करते हुए नागरिकों से संवाद कर रहे थे तथा निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारु एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर विशेष बल दे रहे थे। नवी मुंबई महानगरपालिका के सार्वत्रिक चुनाव अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए और सभी विभागों में नवी मुंबई के मतदाताओं का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद देखने को मिला।

राज ठाकरे के 'स्याही' वाले आरोपों पर उपमुख्यमंत्री शिंदे का पलटवार, कहा- निष्पक्ष मतदान हो रही है

मुम्बई **(एजेंसी)**। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे के इस आरोप को खारिज करते हुए कि अमिट स्याही की जगह नई कलम का इस्तेमाल किया गया है, शिंदे ने कहा कि 'यही स्याही वर्षों से इस्तेमाल हो रही है' और 'निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित किए जा रहे हैं। यहां अपना वोट डालने के बाद मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने कहा, 'मैंने चुनाव आयोग से बात की है। उन्होंने मुझे बताया कि यह स्याही कई वर्षों से इस्तेमाल हो रही है। चुनाव आयोग ने फर्जी मतदान को रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरती हैं।

ठाणे के एक मतदान केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के बंद होने की घटना के बाद, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग ने आवश्यक सावधानियां बरती हैं। शिंदे ने कहा, जिन स्थानों पर मशीनें (ईवीएम) खराब हुई हैं, उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है। इसलिए, चुनाव आयोग ने इस संबंध में उचित व्यवस्था की है और आवश्यक सावधानियां बरती हैं। उपमुख्यमंत्री ने चुनाव में कथित फर्जी वोटों के मुद्दे पर भी बात की और मतदान केंद्रों के बाहर मौजूद सभी दलों के सदस्यों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ऐसी प्रथा को रोका जाए।

शिंदे ने जोर देकर कहा, 'चूंकि सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि बाहर मौजूद हैं, इसलिए कार्यकर्ताओं की यह जिम्मेदारी है कि कोई भी फर्जी मतदान न हो। इसके अलावा, उन्होंने विपक्ष पर चुनाव में अपनी हार को छुपाने के लिए झूठे आरोप लगाने का आरोप लगाया। शिंदे ने कहा, 'वे जानते हैं कि वे हारने वाले हैं, इसलिए वे ईवीएम को दोष दे रहे हैं और इसे छिपाने के लिए मनगढ़ंत कहानियां बना रहे हैं। शिंदे ने दावा किया कि बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया और दूसरों से भी अपने अधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया।

जिला युवा पुरस्कार हेतु 19 जनवरी तक आवेदन करने का आवाहन

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं के कारण युवा शक्ति ने समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। युवा वर्ग को मानव संसाधन विकास का मुख्य स्रोत माना जाता है तथा विकास प्रक्रिया में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी के अनुरूप राज्य की युवा नीति 2012 के तहत राज्य एवं जिला स्तर पर युवा पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

मुंबई शहर जिले के जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री मार्क धर्माई ने मुंबई शहर जिले के पात्र युवाओं एवं संस्थाओं से 2019-20 से 2024-25 की अवधि के लिए जिला युवा पुरस्कार हेतु 19 जनवरी 2026 तक आवेदन करने का आवाहन किया है।

इस पुरस्कार हेतु आवेदन भारत रत्न राजीव गांधी जिला क्रीड़ा संकुल, द्वितीय तल, जिला क्रीड़ा अधिकारी, मुंबई शहर कार्यालय, धारावी में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है।

जिला युवा पुरस्कार समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, आदिवासी क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कृति, कला, क्रीड़ा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्योग, महिला सशक्तीकरण, कन्या भ्रूण हत्या प्रतिबंध, नशामुक्ति आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं एवं संस्थाओं को जिला स्तर पर प्रदान किए जाएंगे।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय से दूरध्वनि क्रमांक 9594369561 पर संपर्क कर सकते हैं, ऐसा भी प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है।

सम्पादकीय

मिनटों में सामान, सालों का जोखिम क्लिक से घर तक दस मिनट, लेकिन सड़क पर जान की जिम्मेदारी किसकी?

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अत्यधिक व्यस्तता के बीच आनलाइन सामान पहुंचाने का कारोबार न केवल रोजगार का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत बन गया है, बल्कि यह उपभोक्ताओं के लिए एक बड़े बाजार की शक्ल ले चुका है। खासकर कोविड महामारी के बाद से इसमें जबरदस्त उछाल आया है और अब मांग पर हर तरह के उत्पाद मिनटों में घर पर पहुंच जाते हैं। मगर तत्काल सामान पहुंचाने की होड़ में इस कार्य से जुड़े कर्मियों पर आनलाइन कंपनियों के दबाव और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ी हैं।

सामान पहुंचाने के दौरान सड़क हादसों में मौत हो जाने की देश भर में कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने अब दस मिनट में सामान पहुंचाने से संबंधित कंपनियों के दावों पर रोक लगाने का आदेश दिया है। सवाल है कि आखिर सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप क्यों करना पड़ा? क्या संबंधित कंपनियों की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वे अपने कर्मियों की सुरक्षा और बेहतरी की फिक्र करे?

बीते वर्ष के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर 2025 को घर पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों ने हड़ताल का आह्वान कर अपनी दिक्कतों की तरफ देश, समाज और सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की थी। कुछ अरसे से ऑनलाइन बाजार की यह कह कर हिमायत की जा रही है कि इससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और उपभोक्ताओं को भी अपनी पसंद के सामान की खरीदारी का आसान विकल्प मिल गया है। साथ यह भी कहा जाता है कि इस क्षेत्र में काम करने वाले कर्मियों को अपने कार्य की अवधि खुद तय करने की आजादी है।

मगर, क्या वास्तव में उन्हें काम करने की आजादी है? निर्धारित समय के भीतर सामान पहुंचाने और प्रतिदिन का लक्ष्य पूरा करने का दबाव कई बार उन्हें मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक तकलीफ भी देता है। इस दबाव में सड़क पर तेज रफ्तार में दोपहिया वाहन चलाने से हर समय जान का जोखिम बना रहता है। ऐसे में दस मिनट में सामान पहुंचाने के वादों पर रोक लगाना निहायत जरूरी हो गया था।

नीति आयोग की वर्ष 2022 की एक रपट के अनुसार, वर्ष 2020 में देश भर में आनलाइन मांग पर सामान पहुंचाने वाले कर्मियों की संख्या करीब 77 लाख थी और यह आंकड़ा 2030 तक 2.35 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इससे यह बात तो स्पष्ट है कि आनलाइन बाजार के कारोबार से रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन साथ ही संबंधित कंपनियों की प्रतिस्पर्धा में कर्मियों की सुरक्षा और काम के दबाव का संकट भी पैदा हुआ है।

कहा जा रहा है कि सरकार के आदेश के बाद आनलाइन कंपनियों ने अपने मंच से दस मिनट में सामान पहुंचाने का दावा हटा लिया है। मगर इस तरह की कोशिशें फिर से किसी दूसरे रूप में न हों, इसके लिए सरकार की ओर से एक निगरानी तंत्र बनाने की जरूरत है। सरकार को संबंधित आनलाइन मंचों के साथ मिलकर यह कोशिश करनी होगी कि श्रमशक्ति का यह हिस्सा सुरक्षित वातारण में विकास और सामाजिक गतिशीलता की सीढ़ी बने और उनके अधिकारों की भी रक्षा हो सके।

जब नल से जहर बहने लगे, इंदौर ने दिखा दिया भारत के जल संकट का डरावना सच

जल प्रदूषण आज मनुष्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह प्रबंधन में लापरवाही बरतने का भी नतीजा है। जल के संरक्षण और उसकी स्वच्छता को लेकर योजना बनाने तथा उसे क्रियान्वित करने में गंभीरता एवं कुशलता का अभाव रहता है। घर-घर जल पहुंचाने की योजना जरूर अच्छी है। मगर इसी के साथ नदियों की सफाई और जल आपूर्ति करने करने वाली पाइपलाइनों की समय-समय पर जांच की जाती, तो समस्या गंभीर नहीं होती। इंदौर में दूषित पेयजल के सेवन से हुई लोगों की मौत ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया है कि भारत का जल संकट केवल मात्रा का नहीं, बल्कि गुणवत्ता, निगरानी और शासन की गंभीर विफलताओं का परिणाम है। यह घटना किसी एक शहर या राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस अदृश्य संकट का प्रतीक है, जो देश के लगभग हर शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्र में अलग-अलग रूपों में मौजूद है। जल, जिसे जीवन का आधार माना जाता है, जब वही जीवन के लिए ही घातक बन जाए, तब यह प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि संस्थागत असफलता का संकेत है।

संयुक्त राष्ट्र की विश्व जल रपट 2024 के अनुसार, विश्व की लगभग 2.2 अरब आबादी को आज भी सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। भारत, जहां विश्व की अठारह फीसद जनसंख्या निवास करती है और जहां मीठे जल संसाधनों का मात्र चार फीसद हिस्सा उपलब्ध है, वह इस वैश्विक जल संकट के केंद्र में है। मगर इंदौर की घटना स्पष्ट करती है कि चुनौती केवल जल की उपलब्धता तक सीमित नहीं, बल्कि यह सवाल भी उतना ही अहम है कि जो जल उपलब्ध कराया जा रहा है, वह कितना सुरक्षित और उपयोग के योग्य है। घरों तक पहुंचाए जा रहे जल की गुणवत्ता

की निरंतर निगरानी का अभाव अब भी बना हुआ है, जिसे दुरुस्त करने की जरूरत है।

नीति आयोग की जल प्रबंधन रपट 2023 में यह चेतावनी है कि भारत के इक्कीस से अधिक बड़े शहर अगले दशक में पानी खत्म होने की भयावह स्थिति का सामना कर सकते हैं। मगर इंदौर का अनुभव बताता है कि संकट भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। जल आपूर्ति अवसंरचना की जर्जर स्थिति, पेयजल और सीवेज लाइनों का आपसी संपर्क तथा जल गुणवत्ता परीक्षण की कमजोर व्यवस्था ने शहरी और ग्रामीण जीवन के स्वास्थ्य को जोखिम में डाल दिया है। 'नेशनल इंस्टीट्यूट आफ अर्बन अफेयर्स' के अनुसार भारत के शहरी जल तंत्र में 35 से 40 फीसद जल पाइपलाइन में रिसाव के कारण बर्बाद हो जाता है। यह केवल संसाधनों की हानि नहीं, बल्कि एक संरचनात्मक खतरा भी है, क्योंकि इन्हीं रिसाव बिंदुओं से दूषित तत्त्व पेयजल में जाते हैं।

इंदौर जैसे शहर, जो स्वच्छता और शहरी प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाते रहे हैं, वहां ऐसी घटना यह दर्शाती है कि दृश्य उपलब्धियों के पीछे एक गहरी तकनीकी और निगरानी संबंधी कमी छिपी हुई है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के विभिन्न बड़े शहरों में समय-समय पर दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों के मामले सामने आते रहते हैं। अंतर केवल इतना है कि हर बार परिणाम इतने गंभीर रूप में दर्ज नहीं हो पाते या सरकारी फाइलों में दब जाते हैं। इस उपेक्षा की कीमत नागरिकों को जान देकर चुकानी पड़ती है।

निराशाजनक बात यह है कि औद्योगिक और शहरी प्रदूषण इस संकट को और गहराता है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण की वर्ष 2023 की एक रपट के अनुसार देश की साठ फीसद से अधिक औद्योगिक इकाइयां अपने अपशिष्ट जल का समुचित उपचार नहीं करतीं। अनुमान है कि भारत का लगभग सत्तर फीसद औद्योगिक अपशिष्ट जल बिना उपचार के नदियों और जल स्रोतों में प्रवाहित होता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़े बताते हैं कि गंगा और यमुना जैसी नदियों में जैव-रासायनिक आक्सीजन मांग (बीओडी) स्तर मानकों से कहीं अधिक है। यही जल जब शोधन की अपर्याप्त प्रक्रिया से गुजर कर नागरिकों तक पहुंचता है, तो स्वास्थ्य संकट अवश्यंभावी हो जाता है।

स्वाभाविक है कि अब इसके उपाय सोचने होंगे। जलवायु परिवर्तन ने इस समस्या को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे में दोराय नहीं कि जल संकट आने वाले समय में और भी गहराएगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बीते पांच दशकों में देश में औसत वर्षा में गिरावट और चरम वर्षा घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। इससे जल स्रोतों की स्वाभाविक पुनर्भरण और शुद्धीकरण क्षमता प्रभावित हुई है। अचानक होने वाली भारी वर्षा के दौरान यदि वर्षा जल का वैज्ञानिक ढंग से संचय न किया जाए, तो वह प्रदूषकों को अपने साथ बहा कर जलाशयों और नदियों में पहुंचा देता है, जिससे जल की गुणवत्ता और अधिक खराब हो जाती है।

इन परिस्थितियों में स्पष्ट है कि जल प्रबंधन को केवल राज्य या राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि सूक्ष्म स्तरीय जल प्रबंधन को नीति के केंद्र में लाया जाए। प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले और प्रत्येक जल आपूर्ति मंडल के स्तर पर जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी, पाइपलाइन नेटवर्क का पृथक्कीकरण और वास्तविक समय के आंकड़ों पर आधारित चेतावनी प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। जल सुरक्षा को अब 'एक समान नीति' के बजाय 'स्थान-विशिष्ट समाधान' के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत का जल संकट सर्वव्यापी समस्या है, जिसे सामान्य नीतियों से नहीं, बल्कि स्थानीय और सूक्ष्म स्तर पर लक्षित हस्तक्षेप से ही सुलझाया जा सकता है।

इसके साथ ही, 'हर घर नल' जैसी योजनाओं को 'हर नल सुरक्षित' की अवधारणा से जोड़ना भी अनिवार्य है। जल आपूर्ति की सफलता केवल 'कनेक्शन की संख्या' से नहीं, बल्कि जल की गुणवत्ता, निरंतरता और पारदर्शिता से मापी जानी चाहिए। स्थानीय निकायों को तकनीकी क्षमता, वित्तीय संसाधन और उत्तरदायित्व, तीनों स्तरों पर सशक्त किए बिना यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। इस दिशा में समन्वित प्रयास करने होंगे।

नागरिकों की भूमिका इस संकट में गौण नहीं है। जल उपयोग, संरक्षण और निगरानी को सामुदायिक उत्तरदायित्व के रूप में विकसित करना होगा। स्थानीय स्तर पर जल परीक्षण, शिकायत निवारण और सामाजिक परीक्षण जैसी प्रक्रियाएं इस दिशा में प्रभावी साधन बन सकती हैं। जल केवल सरकार द्वारा प्रदत्त सेवा नहीं, बल्कि समाज की साझी संपदा है और उसकी सुरक्षा भी सामूहिक प्रयास से संभव है।

इंदौर की त्रासदी एक चेतावनी है, लेकिन साथ ही यह अवसर भी है उस सोच को बदलने का, जिसमें जल संकट को केवल भविष्य की समस्या माना जाता रहा है। यदि आज भी जल की गुणवत्ता, अवसंरचना और स्थानीय निगरानी को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो ऐसी घटनाएं अपवाद नहीं, बल्कि सामान्य होती जाएंगी।

जल संकट अब केवल पर्यावरणीय या तकनीकी चुनौती नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और शासन की विश्वसनीयता की परीक्षा बन चुका है। भारत के लिए यह समय आत्ममंथन का है। जल प्रबंधन को आंकड़ों और घोषणाओं से आगे बढ़ा कर जमीन पर, गली-मोहल्ले के स्तर पर उतारने की आवश्यकता है। अन्यथा, हर शहर संभावित इंदौर बन सकता है और तब चेतावनियों का मूल्य केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जनहानि के रूप में चुकाना पड़ेगा।

हर रिश्ता निभाते-निभाते क्या हम खुद को ही खो रहे हैं? परफेक्ट दिखने की होड़ में अधूरी रह जाती भावनाएं

हम जब किसी रिश्ते में प्रवेश करते हैं, तो अक्सर यह सोचकर नहीं आते कि हम क्या महसूस करते हैं, बल्कि यह सोचकर आते हैं कि हमें कैसा व्यवहार करना चाहिए। धीरे-धीरे रिश्ते भावनाओं का नहीं, अपेक्षाओं का मंच बन जाते हैं। हम यह मान लेते हैं कि अच्छे रिश्ते वही हैं, जहां कोई शिकायत न हो, कोई असहमति न हो और कोई थकान दिखाई न दे। यहीं से शुरू होती है 'परिपूर्ण बनने' या संपूर्णता की मांग की अदृश्य दौड़। हम हर भूमिका में खुद को ढालने लगते है- बेटी, पत्नी, मां, मित्र, सहकर्मी। और इस ढलने की प्रक्रिया में हम यह भूल जाते हैं कि हम भी एक इंसान हैं, जिसकी अपनी सीमाएं, अपनी जरूरतें और अपनी भावनाएं हैं।

संपूर्ण बनने की यह मानसिकता अचानक विकसित नहीं होती। इसका बीज बचपन में ही बो दिया जाता है, जब हमें सिखाया जाता है कि अच्छे बच्चे कैसे होते हैं। जो बच्चे ज्यादा सवाल न करें, जो बड़ों की हर बात मान लें और जो अपनी भावनाओं को नियंत्रित रखना सीख लें।

लड़कियों के लिए यह सीख और भी सख्त होती है। उन्हें बताया जाता है कि ज्यादा बोलना अच्छा नहीं, अपनी बात मन में रखना ही समझदारी है और रिश्ते निभाने के लिए खुद को पीछे रखना पड़ता है। यही बातें आगे चलकर उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती हैं।

'हम समझते हैं' कह देना आसान है, लेकिन क्या कोई सच में किसी का दुख समझ पाता है?

हर रिश्ता थोड़ा-बहुत समझौता मांगता है, इसमें कोई संदेह नहीं, लेकिन समस्या तब शुरू होती है, जब समझौता आदत बन जाए और अपनी बात रखना स्वार्थ समझा जाने लगे। कई लोग अपनी नाराजगी, थकान और असंतोष को भीतर ही दबाए रखते हैं, ताकि सामने वाला असहज न हो। धीरे-धीरे यह चुप्पी रिश्ते की भाषा बन जाती है। बाहर से सब ठीक दिखता है, लेकिन भीतर एक खालीपन जन्म लेने लगता है। व्यक्ति महसूस करता है कि वह हर रिश्ते में मौजूद है, लेकिन अपनी ही जिंदगी में अनुपस्थित है।

आज के समय में सोशल मीडिया ने परिपूर्णता या संपूर्णता की कसौटी वाले रिश्तों की एक झूठी तस्वीर हमारे सामने रख दी है। हर तरफ मुस्कुराते चेहरे, आदर्श जोड़े और खुशहाल परिवार दिखाई देते हैं। इन तस्वीरों के पीछे की थकान, मतभेद और चुप्पी कभी दिखाई नहीं देतीं। इन सबको देखकर हम अपने वास्तविक रिश्तों से असंतुष्ट होने लगते हैं। हमें लगता है कि कहीं हम ही कम पड़ रहे हैं, हमारा रिश्ता ही अधूरा है। इसी भावना के कारण हम खुद को और ज्यादा बदलने की कोशिश करने लगते हैं।

महिलाओं के जीवन में संपूर्णता की यह अपेक्षा कई गुना अधिक होती है। उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखें, सबकी भावनाओं का खयाल रखें और अपनी तकलीफ को कभी प्राथमिकता न दें। जब वे थकती हैं, तो कहा जाता है कि यही उनकी शक्ति है। जब वे चुप रहती हैं, तो उसे सहनशीलता कहा जाता है, लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि इस चुप्पी की कीमत क्या है।

कई महिलाएं भीतर ही भीतर टूटती रहती हैं, पर बाहर से मजबूत दिखाई देती हैं। संपूर्ण बनने की यह कोशिश शुरुआत में रिश्तों को सहज बनाए रखती है, लेकिन समय के साथ यह उन्हें खोखला कर देती है। जब भावनाएं व्यक्त नहीं होतीं, तो वे दबकर गुस्से और निराशा का रूप ले लेती हैं। जब संवाद नहीं होता, तो दूरी अपने-आप पैदा हो जाती है।

एक समय ऐसा आता है जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसने रिश्तों को बचाने के लिए खुद को खो दिया है। तब यह प्रश्न उठता है कि क्या कोई रिश्ता इतना मूल्यवान हो सकता है कि उसके लिए खुद को मिटा दिया जाए? सच यह है कि रिश्तों को परिपूर्ण या संपूर्ण इंसानों की नहीं, बल्कि सच्चे और ईमानदार इंसानों की जरूरत होती है।

रिश्ते तब गहरे होते हैं, जब उनमें असहमति की जगह होती है, सवाल पूछने की आजादी होती है और भावनाओं को साझा करने का साहस होता है। वहां सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने की मजबूरी न हो। सबसे पहला और सबसे महत्त्वपूर्ण रिश्ता खुद के साथ होता है। अगर उसी रिश्ते में हम झूठे हो जाएं, तो बाकी रिश्तों में सच्चाई निभाना कठिन हो जाता है।

अपनी सीमाओं को पहचानना, अपनी जरूरतों को महत्त्व देना और अपनी भावनाओं को सुनना रिश्तों को स्वस्थ बनाता है। जब हम खुद से ईमानदार होते हैं, तभी हम दूसरों के साथ भी ईमानदारी निभा पाते हैं। वरना रिश्ते केवल निभाने की जिम्मेदारी बनकर रह जाते हैं।

हर दिन अच्छा होना जरूरी नहीं। हर बार समझदार बनना भी जरूरी नहीं। रिश्तों में कभी-कभी अपनी बात रखना, असहमत होना और खुद के लिए खड़ा होना भी उतना ही आवश्यक है। हर कसौटी पर संपूर्ण होने की कोशिश में अगर हम अपनी सच्ची भावनाओं को दबा दें, तो रिश्ते केवल दिखावे का ढांचा बनकर रह जाते हैं।

जबकि रिश्तों की खूबसूरती उनकी अपूर्णता में ही छिपी होती है। शायद अब यह समझने का समय आ गया है कि रिश्ते निभाने के लिए खुद को तोड़ना नहीं पड़ता। उन्हें बचाने के लिए खुद को खोना नहीं होता। रिश्ते तभी टिकते हैं, जब उनमें इंसान होने की पूरी गुंजाइश बची रहे। 'परिपूर्ण' या संपूर्णता नहीं, बस सच्चा रहा जाए–यही रिश्तों की सबसे मजबूत नींव है।

पैक्स सिलिका क्या है? इसमें भारत को शामिल करने से अमेरिका को क्या लाभ मिलेगा?

पैक्स सिलिका अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक तकनीकी पहल है, जो सिलिकॉन-आधारित सप्लाई चेन को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह एआई, सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्भरता कम करने का प्रयास करती है। यह नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय पहल क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा संसाधनों, चिप निर्माण, एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स की सुरक्षित सप्लाई चेन बनाती है। इसलिए अमेरिकी विदेश विभाग इसे 'पॉजिटिव-सम' साझेदारी मानता है, जो चीन जैसी निर्भरताओं से बचाव करती है। इससे विश्वसनीय देशों में नवाचार और निवेश बढ़ता है।

इस प्रकार पैक्स सिलिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करना और विश्वसनीय देशों के बीच सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है।

चूंकि भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व है, इसलिए भारत को हाल ही में इसमें पूर्ण सदस्यता का न्योता मिला है, जो ग्लोबल चिप हब बनने का अवसर देगा। इससे जहां अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी कंपनियों से भारी निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और रोजगार सृजन होगा। वहीं रक्षा, अंतरिक्ष और सैन्य सुरक्षा में भी मजबूती मिलेगी। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि यह वैश्विक पहल महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंडक्टर, उन्नत विनिर्माण, एआई (ंघ) अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में दबावपूर्ण निर्भरताओं को घटाती है। उच्च-तकनीकी संयुक्त उद्यमों और रणनीतिक सह-निवेश को बढ़ावा देकर नवाचार को प्रोत्साहित करती है। संवेदनशील प्रौद्योगिकियों को चिंताजनक देशों से बचाने का लक्ष्य रखती है।

जहां तक इसकी संरचना की बात है तो अमेरिका इसके संस्थापक सदस्य के रूप में नेतृत्व करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देश शामिल हैं। यह गठबंधन-आधारित मॉडल पर काम करती है, जो साझा निवेश और सहयोग पर जोर देती है। भारत को हाल ही में पूर्ण सदस्यता का निमंत्रण मिला है। जनवरी 2026 में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को इसमें शामिल करने की घोषणा की। जबकि इससे पहले टैरिफ विवाद से भारत बाहर था, लेकिन अब यह साझेदारी भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई देगी।

पैक्स सिलिका में अमेरिका नेतृत्व करता है और इसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। यह पहल विश्वसनीय साझेदार देशों को जोड़ती है ताकि सिलिकॉन सप्लाई चेन मजबूत हो। इसके मुख्य सदस्य देश निम्नलिखित हैंः- संस्थापक सदस्यः अमेरिका (नेतृत्वकर्ता), जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान। अन्य प्रमुख सदस्यः नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया। मसलन, ये देश उच्च-तकनीकी विनिर्माण और ंघ क्षेत्रों में मजबूत क्षमता रखते हैं। इससे भारत को सेमीकंडक्टर और एआई सप्लाई चेन में प्रमुख स्थान मिलेगा।

भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर मुख्य रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह पहल विशेषकर सिलिकॉन, सेमीकंडक्टर और एआई सप्लाई चेन में उसके एकाधिकार को चुनौती देगी। रूस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है, लेकिन सीधा उल्लेख कम है। यह वैश्विक तकनीकी निर्भरता को पुनर्गठित करेगा। इसका चीन पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि चीन वर्तमान में महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, चिप निर्माण और ंघ इंफ्रास्ट्रक्चर पर हावी है। लिहाजा पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत का प्रवेश उसके प्रभुत्व को कम करेगा, दबावयुक्त निर्भरता घटाएगा और वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाएगा। इससे चीन के निर्यात बाजार और तकनीकी वर्चस्व पर दबाव बढ़ेगा।

जहां तक रूस पर प्रभाव की बात है तो रूस पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव का स्पष्ट उल्लेख नहीं मिला, लेकिन ट्रंप प्रशासन के रूसी तेल खरीद पर 500ड्ड टैरिफ जैसे कदमों से व्यापक आर्थिक दबाव जुड़ सकता है। दरअसल पैक्स सिलिका ऊर्जा स्रोतों की सुरक्षित चेन पर फोकस करता है, जो रूस के पारंपरिक ऊर्जा निर्यात को अप्रत्यक्ष चुनौती दे सकता है। इसका सामरिक निहितार्थ यह होगा कि भारत के बढ़े कदम से अमेरिका-भारत साझेदारी मजबूत होगी।इसको मजबूत कर भू-राजनीतिक संतुलन बदलेगा, जहां चीन-रूस गठजोड़ कमजोर पड़ सकता है। जबकि भारत को निवेश और तकनीक मिलने से उसकी वैश्विक स्थिति मजबूत होगी।

भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा क्योंकि नई पहल मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, एआई और महत्वपूर्ण खनिजों की सप्लाई चेन में उसके वर्तमान प्रभुत्व को कम करके बढ़ेगा। यह वैकल्पिक उत्पादन केंद्र स्थापित कर चीन के निर्यात बाजार को सीधे चुनौती देगा। रणनीतिक रूप से यह अमेरिका-नीत गठबंधन को मजबूत करेगा। जहां तक सप्लाई चेन पर प्रभाव की बात है तो चीन सिलिकॉन, चिप निर्माण और एआई हार्डवेयर में 70-90ड्ड वैश्विक आपूर्ति नियंत्रित करता है। लिहाजा इसमें भारत का प्रवेश निवेश आकर्षित कर उत्पादन क्षमता बढ़ाएगा, जिससे चीन के बाजार हिस्से में 10-20ड्ड गिरावट आ सकती है। इससे उसके निर्यात राजस्व में अरबों डॉलर का नुकसान होगा। इससे निर्यात और बाजार हानि भी होगी क्योंकि भारत जैसे नए केंद्रों से जापान, कोरिया और यूरोपीय कंपनियां खरीदारी स्थानांतरित करेंगी। चीन के सस्ते उत्पादों पर निर्भरता घटेगी, जिससे उसके व्यापार अधिशेष पर दबाव पड़ेगा। लंबे समय में एआई और टेक निर्यात 15-25ड्ड कम हो सकते हैं। जहां तक भू-आर्थिक परिणाम की बात है तो भारत का यह कदम चीन को तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए मजबूर करेगा, लेकिन तत्काल पूंजी और बाजार हानि से उसकी विकास दर 0.5-1ड्ड धीमी हो सकती है। भारत-अमेरिका साझेदारी से वैश्विक टेक व्यापार का पुनर्वितरण होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो भारत को अपने पाले में मिलाने के लिए और रूस-चीन से उसकी रणनीतिक दूरी बढ़ाने के लिए दुनिया का थानेदार अमेरिका बेकरार है, क्योंकि गुटनिरपेक्ष भारत जिधर होगा उस वैश्विक गठबंधन का अंतर्राष्ट्रीय वजन स्वतः बढ़ जाएगा। ऐसा इसलिए कि भारत दुनिया की सबसे आबादी वाला गणतांत्रिक देश है। यहां के लोगों में बल और बुद्धिमत्ता कूट कूट कर भरी है। आर्थिक और सैन्य दृष्टि से भी भारत निरंतर प्रगति कर रहा है। यही वजह है कि अमेरिका ब्रेक के बाद एक से बढ़कर एक वैश्विक गुटीय ऑफर दे रहा है। यह बात अलग है कि रूस से भारत के घनिष्ट रिश्ते में खटास पैदा करने के लिए वह टैरिफ इजाफे का भी दांव चल चुका है और आगे ज्यादा करने की धमकी भी दे रहा है। वहीं द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को भी बेवजह लंबा खींच रहा है। ऐसे में अमेरिका अब भारत का भरोसेमंद मित्र नहीं हो सकता है। लेकिन रूसी-चीनी दोस्ती के दृष्टिगत अमेरिका से खुलेआम शत्रुता भी नहीं की जा सकती। इसलिए चीन की तरह ही अमेरिका से भी शो शो का रिश्ता रखना लाजिमी है।

अनुभव बताता है कि अमेरिका भारत से अपनी मनवाने पर तुला हुआ है, लेकिन भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के दृष्टिकोण पर अडिग है जिससे अमेरिका की हर कोशिश कमतर प्रतीत होती है। ऐसा इसलिए कि भारत अपने भरोसेमंद अंतर्राष्ट्रीय मंच मित्र रूस को न तो छोड़ना चाहता है और न ही अपने रणनीतिक दुश्मन चीन-पाकिस्तान से बेवजह पंगा लेना चाहता है, क्योंकि भारत निज विकास के द्वारा अपनी जनता के जीवन स्तर में बढ़ोतरी को प्राथमिकता देता है। यही कारण है कि अब अमेरिका ने भारत को पैक्स सिलिका समूह में शामिल करने का लॉलीपॉप थमाया है, ताकि भारत को पटाकर रणनीतिक लाभ हासिल किया जा सके।

राज्यमंत्री ने दुर्गा देवी इण्टर कॉलेज-ओसा के विद्यालय भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात, उ.प्र. दिनेश प्रताप सिंह गुरुवार को राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी, बी. एल. संतोष के साथ मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सामाजिक समरसता भोज एवं दुर्गा देवी इण्टर कॉलेज-ओसा के नवनिर्मित एवं पुनर्निर्मित विद्यालय भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

जिला जेल में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर

बन्दी को केवल एक जमानतदार और उसकी आर्थिक क्षमता के अनुसार जमानत राशि पर भी किया जा सकता है रिहा-अमित मिश्र

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय कौशाम्बी के तत्वावधान में जिला जेल टेवां, कौशाम्बी में शोषण के विरुद्ध अधिकार, नशा मुक्त भारत अभियान विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि शिविर में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अमित कुमार मिश्र ने कहा कि बंदियों के संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के लिए कई कानूनी प्रावधान हैं और माननीय उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के द्वारा भी समय समय पर दिशा निर्देश दिये जाते हैं पर जानकारी के आभाव में बहुत से लोग उनका लाभ नहीं प्राप्त कर पाते हैं। इन कानूनों की सार्थकता तभी होगी जब इन कानूनों के बारे में जागरूकता होगी। जब आप अपने अधिकारों के प्रति सजग होंगे तो कोई भी आपका शोषण नहीं कर सकेगा।

शोषण के विरुद्ध अधिकार किसी भी व्यक्ति को गुलामी और अमानवीय परिस्थितियों से बचाते हैं। शोषण के विरुद्ध अधिकार से जुड़े प्रावधान भारतीय संविधान सहित कई कानूनों में दिए गए हैं। आप किसी भी समस्या के लिए जेल में कार्यरत पैरा लीगल वालंटियर से संपर्क कर अपनी बात हम तक पहुंचा सकते हैं।

बच्ची देवी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित विधि सिद्धांत और जमानत के संबंध में दिए गए निर्देशों के अनुक्रम में बंदियों को जागरूक करते हुए व निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए कहा कि आरोपी बन्दी को केवल एक जमानतदार (और दो नहीं) और उसकी आर्थिक क्षमता के अनुसार जमानत राशि पर भी रिहा किया जा सकता है।

यदि बंदी 7 दिनों में जमानतदार नहीं दे पाता तो जेल अधीक्षक को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को इस बात की जानकारी देनी होगी ताकि कैदी को जमानत दिलाने में मदद मिल सके। बंदियों को नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ भी दिलाई गई।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक, उप जेल अधीक्षक और चीफ लीगल एड डिफेंस सहायक तिलक नारायण पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में बन्दी उपस्थित रहे।

प्रधान के खिलाफ मुकदमे पर बिफरे ग्रामीण, घेरी चौकी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। तरसौरा ग्राम प्रधान की शहजादपुर टेढ़ीमोड़ पुलिस चौकी के भीतर पिटाई और उन्हीं के खिलाफ मुकदमा कायम किए जाने से खफा ग्रामीणों का गुस्सा गुरुवार को फूट पड़ा। नाराज गांव वालों ने चौकी का घेराव किया। इस दौरान उनकी पुलिस कर्मचारियों से तीखी नोंकझोंक हुई। तकरीबन डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के बाद डीएसपी सिराथू के आश्वासन पर मामला शांत हुआ। कोखराज थाना क्षेत्र के तरसौरा गांव की सावित्री देवी ने बताया कि उनके पति बलराम सिंह ग्राम प्रधान हैं। पीड़िता की मानें तो इन दिनों गांव में नाली का निर्माण कराया जा रहा है। प्रधान होने के नाते बुधवार दोपहर पति निर्माण कार्य की गुणवत्ता देखने बाइक से जा रहे थे।

इस दौरान विपक्षी पंकज व अवधेश मिश्रा ने पिकअप से उनकी बाइक में टक्कर मार दी थी। इसका विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए प्रधान की पिटाई की गई थी। घटना की तहरीर लेकर प्रधान शहजादपुर टेढ़ीमोड़ पुलिस चौकी पहुंचे तो आरोप है कि वहां भी आरोपियों ने उनको पीटा था। इसका वीडियो भी प्रसारित हुआ था। प्रधान की पत्नी ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी थी। पुलिस ने इस तहरीर पर एफआईआर लिखने के बजाए हेड कांस्टेबल रईश अहमद की तहरीर पर दोनों पक्षों के 11 नामजद व छह अज्ञात के खिलाफ मुकदमा कायम किया था। मुकदमे में ग्राम प्रधान को भी आरोपी बनाया गया। इसी से खफा ग्रामीणों ने प्रधान के साथ गुरुवार को पुलिस चौकी का घेराव कर दिया। बाद में डीएसपी सिराथू भैया संतोष कुमार ने फोन पर उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा संबंधित क्षेत्राधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों के कुशल नेतृत्व में जनपद कौशांबी के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा, नवीन आपराधिक कानूनों एवं हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ज्ञात हो कि थाना पश्चिम शरीरा अंतर्गत पभोषा मेला क्षेत्र में मिशन शक्ति टीम, शक्ति टीम व एंटीरोमियो स्क्वाड द्वारा भ्रमणशील होकर महिलाओं, बालिकाओं एवं बच्चों को गुड टच-बैड टच, आत्म-सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, निःशुल्क विधिक सहायता (जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई।

महिला थाना द्वारा पभोषा मेला एवं कस्बा मंझनपुर क्षेत्र में एंटीरोमियो स्क्वाड द्वारा शोहदों की चेकिंग कर हिदायत दी गई तथा महिलाओं/बालिकाओं को नए आपराधिक कानून (बीएनएस, बीएनएसएस), ज़ीरो एफआईआर, ई-एफआईआर सहित महिला सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी गई।

महेवाघाट थाना के ग्राम सन्यासीपुर में भ्रमणशील होकर महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सशक्तिकरण, साइबर अपराध से बचाव, नए आपराधिक कानूनों, गुड टच-बैड टच एवं हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में जागरूक किया गया।

संदीपन घाट थाना के ग्राम कोइलहा में मिशन शक्ति कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं व बालिकाओं को नारी सशक्तिकरण, साइबर सुरक्षा एवं शासन द्वारा संचालित महिला सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई।

सराय अकिल थाना परिसर में उपस्थित महिलाओं/बालिकाओं को मिशन शक्ति केंद्र, महिला अपराधों से संबंधित कानून, साइबर अपराध, नए कानूनों के प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया, समस्याएँ सुनी गईं एवं काउंसलिंग की गई।

मंझनपुर थाना प्रांगण में महिला मिशन शक्ति, एंटीरोमियो स्क्वाड एवं साइबर जागरूकता अभियान के तहत महिलाओं को मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण योजनाओं की जानकारी दी गई।

थाना मोहब्बतपुर पइंसा के ग्राम जवई पड़री में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

कड़ाधाम थाना के कुबरी घाट एवं शीतलाधाम मंदिर क्षेत्र में महिलाओं एवं बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सशक्तिकरण एवं हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया।

कौशाम्बी थाना के ग्राम आवाकुवा में महिला मिशन शक्ति व साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बालिकाओं को साइबर अपराध, उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा लागू नए आपराधिक कानूनों एवं महिला सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

साथ ही महिला सहायता केंद्र, महिला हेल्पडेस्क, एंटीरोमियो टीम के कार्य एवं संबंधित थानों के ण्ळउ नंबर के बारे में भी जानकारी देकर आमजन को जागरूक किया गया।

महिला की मौत मामले में डॉक्टर और प्रबंधक पर मुकदमा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सरायअकिल थाना क्षेत्र के कनैली गांव स्थित हैप्पी अस्पताल में इलाज के दौरान हुई महिला की मौत मामले में पुलिस ने मुकदमा कायम कर लिया है। एसपी के आदेश पर डॉक्टर व हॉस्पिटल प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर लिखी गई है। आरोप है कि चिकित्सक के गलत इंजेक्शन लगाने से महिला की मौत हुई थी। कार्रवाई के बाद से अस्पताल प्रबंधन में खलबली है। कौशाम्बी थाना क्षेत्र के गुरौली निवासी चौबे ने बताया कि चार नवंबर 2025 को उसकी बहू कमलावती पत्नी पत्नी स्व. रंजीत को तेज बुखार आया। इलाज के लिए उसको कनैली स्थित हैप्पी हेल्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पीड़ित के मुताबिक अस्पताल में मौजूद चिकित्सक शिवम ने बहू को भर्ती कर लिया व इलाज के नाम पर 25 हजार रुपये जमा कराए। इस पैसे की रसीद भी नहीं दी। रात को डाक्टर ने दो इंजेक्शन लगाया। इसके कुछ देर बाद ही पीड़ित की बहू की मौत हो गई। घटना का विरोध करने पर अस्पताल के चिकित्सक व प्रबंधक ने तीमारदारों को जबरन बाहर निकाल दिया। पीड़ित का कहना है कि वह गरीब है। बहू की मौत के बाद उसके तीन नाबालिग बच्चे अनाथ हो गए हैं। 13 जनवरी को पीड़ित ने एसपी राजेश कुमार से मुलाकात कर आरोपी चिकित्सक और अस्पताल प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की थी। एसपी के आदेश पर ही कार्रवाई हुई है।

शातिरों ने व्हाट्सएप और जी-मेल अकाउंट किया हैक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पश्चिमशरीरा थाना क्षेत्र के पलरा निवासी विकास कुमार साहू बैरमपुर बाजार में सहज जन सेवा केंद्र का संचालन करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक निजी ऑनलाइन कंपनी का बैंकिंग पोर्टल भी ले रखा है। वह करीब 20 से 25 लोगों के खाते खुलवाने के साथ प्रतिदिन लगभग एक से डेढ़ लाख रुपये का लेनदेन करते हैं। विकास ने बताया कि बीते कई दिनों से उनके मोबाइल पर विभिन्न ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों के ओटीपी आ रहे थे, जिन्हें उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अचानक उनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया। इसकी जानकारी उन्होंने तुरंत बैरमपुर पुलिस चौकी को दी।

इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे एसपी कार्यालय स्थित साइबर सेल में शिकायत की। इसके बावजूद शाम करीब चार बजे शातिरों ने उनकी जीमेल आईडी भी हैक कर ली। इस पर उन्होंने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल उनके खाते से किसी भी तरह की धनराशि निकलने की उनको जानकारी नहीं है।

पति की मौत के बाद शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, गर्भपात कराया

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। महेवाघाट इलाके की एक महिला के पति की आठ साल पहले मौत हो गई। उसके बाद से ही पड़ोस का युवक उससे शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस दौरान वह गर्भवती हुई तो युवक ने गर्भपात करा दिया। पीड़िता ने शादी का दबाव बनाया तो वह जान से मारने की धमकी देने लगा। परेशान पीड़िता ने महेवा घाट थाने में आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। महेवाघाट क्षेत्र की पीड़िता ने बताया कि उसके पति की मौत हो चुकी है। पति का निधन होने के बाद पड़ोसी युवक ने उसको प्रेम जाल में फंसा लिया।

इसके बाद शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने लगा। पीड़ित महिला के मुताबिक आरोपी आए दिन घिनौनी हरकत करने के लिए उसके घर आया करता था। इस दौरान महिला गर्भवती हो गई। इसकी जानकारी होने पर आरोपी ने इलाके के ही एक अस्पताल में ले जाकर गर्भपात करा दिया। पीड़िता ने शादी के लिए दबाव बनाना शुरू किया तो आरोपी वादे से मुकर गया। कहीं भी इस बाबत शिकायत करने पर जान से मार डालने की धमकी दी। परेशान होकर महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की। इस संबंध में महेवाघाट थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह का कहना है कि मुकदमा कायम कराकर आरोपी की तलाश कराई जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। जिस अस्पताल में गर्भपात कराया गया, उसके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक युवती संग दुष्कर्म!

कौशाम्बी। फतेहपुर के एक युवक ने कौशाम्बी की युवती के साथ शादी का झांसा देकर डेढ़ साल तक दुष्कर्म किया। विवाह के लिए दबाव बनाने पर आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो व फोटो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सरायअकिल इलाके की युवती का कहना है कि वह मौजूदा समय मंझनपुर में महिला थाना के पास रहती है। पीड़िता के मुताबिक करीब डेढ़ साल पहले उसकी मुलाकात फतेहपुर के ललौली थाना क्षेत्र में रहने वाले ओंकार से हुई। आरोप है कि ओंकार ने शादी का झांसा देकर दुराचार करना शुरू कर दिया। कुछ दिनों बाद पीड़ित युवती ने विवाह करने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी वादे से मुकर गया। साथ ही उसका अश्लील फोटो-वीडियो भी इंटरनेट मीडिया में प्रसारित कर दिया। इसका विरोध करने पर 20 दिसंबर 2025 को मंझनपुर चौराहे पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जानलेवा धमकी दी। इस दौरान आरोपी के साथ अनुराधा उर्फ अनुपा नाम की एक युवती भी थी। मामले में मंझनपुर इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह का कहना है कि मुकदमा कायम कराकर जांच कराई जा रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उस हिसाब से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मामूली बात पर दो पक्षों में विवाद

सैकड़ो ग्रामीणों ने पुलिस चौकी का किया घेराव, दोनो पक्षों पर मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में बाइक टच हो जाने पर ग्राम प्रधान पक्ष और दूसरे पक्ष के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ा तो पुलिस ने ग्राम प्रधान को पुलिस चौकी पर बैठा लिया। वहीं ग्रामीणों ने आरोपियों के घर पर चढ़ाई कर दी। विवाद बढ़ा तो पुलिस ने दिनों पक्षों के दर्जनभर लोगों पर कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और जांच में जुट गई है।

ज्ञात हो कि मामला कोखराज थाना क्षेत्र के शहजादपुर टेढ़ीमोड पुलिस चौकी अंतर्गत तरसौरा गांव का है। जहां के ग्राम प्रधान बलराम सिंह पटेल की बाइक में एक बोलेरो गाड़ी से टच हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के लोगो में बहस शुरू हो गई, उस दौरान दोनों पक्ष के लोग एकत्रित हो गए और आपस में पंचायत होने के बाद आपसी समझौता हो गया था।

इस दौरान किसी ने अफवाह फैला दी कि ग्राम प्रधान के लोगो ने आरोपी के घर पर चढ़ाई कर दी, सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों पक्ष के लोगों को पुलिस चौकी लाई और पूछताछ किया, इसी दौरान दूसरे पक्ष के गुड्डू मिश्रा के साथ दर्जनों लोग पुलिस चौकी पहुंचे और ग्राम प्रधान को चौकी के अंदर ही पीट दिया, जिसके बाद प्रधान समर्थकों में आक्रोश हो गया और मामला बढ़ गया। वही कई ग्रामीणों का आरोप है कि विवाद और मारपीट का वीडियो बनाने पर उनका मोबाइल भी तोड़ दिया गया।

पुलिस चौकी प्रभारी ने ग्राम प्रधान बलराम सिंह पटेल के और दूसरे पक्ष के गुड्डू मिश्रा सहित दोनों तरफ के दर्जनभर लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। जिसको लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है व्याप्त है और मुकदमा लिखे जाने को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस चौकी का घेराव कर दिया, पुलिस मामला सुलझाने में जुटी हुई है।

गाय ले जाने के वरोध पर गोशाला कर्मियों को पीटा

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव की गोशाला से गाय ले जाने का विरोध करने पर गोपालकों की पिटाई की गई। इससे महिलाओं समेत पांच कर्मियों को चोटें आई हैं। मामले में दो नामजद सहित छह आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी आदि का मुकदमा कायम किया गया है। करारी के बंधवा कल्यान मजरा इब्राहिमपुर निवासी चंदालाल ने बताया कि बुधवार को ग्राम प्रधान के कहने पर वह देखरेख करने इब्राहिमपुर की गोशाला गया था। वहां पहुंचने पर देखा कि मीरापुर निवासी अनिल यादव पुत्र अर्जुन यादव व गोली यादव पुत्र रामराज अपने छह अन्य साथियों के साथ जबर्दस्ती एक गाय खोलकर ले जा रहे थे।

मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पिटाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे गोपालक दिनेश कुमार, निर्मला देवी, सुगन और रतनी देवी को भी पीटा। गोशाला का सामान तोड़ डाला। पिटाई से सभी को चोटें आईं। चीख-पुकार पर जुटे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह कर्मियों की जान बचाई। इसके बाद पीड़ित ने थाने जाकर पुलिस को तहरीर दिया। इस संबंध में करारी इंस्पेक्टर सियाकांत चौरसिया का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा कायम किया गया है। मुकदमे की विवेचना डीएसपी मंझनपुर कर रहे हैं।

घातक मंझे की चपेट में आने से बाइक सवार जख्मी

कौशाम्बी। स्थानीय रेलवे ऊपरगामी पुल पर गुरुवार शाम घातक मांझे ने एक बाइक सवार को जख्मी कर दिया। पास के निजी अस्पताल में उसका इलाज कराया गया है। सैनी थाना क्षेत्र के कानेमई गांव का बबलू गुरुवार को बाइक से सिराथू रोड गया था। शाम को वह वापस अपने घर जा रहा था। जैसे ही उसकी बाइक सिराथू रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंची, अचानक एक पतंग का तेजधार मांझा उसके होंठ में फंस गया। मांझा इतनी तेजी से रगड़ा कि युवक का होंठ जख्मी हो गया। होठ में फंसे मांझे को हटाने के प्रयास में उसका हाथ भी कट गया और वो बाइक समेत गिर गया। गंभीर रूप से घायल युवक किसी तरह सिराथू स्थित निजी अस्पताल पहुंचा, जहां उसका उपचार कराया गया। गनीमत रही जानलेवा धारदार मांझा युवक की गर्दन तक नहीं पहुंचा वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ज्ञात हो कि यह सिराथू रेलवे ओवर ब्रिज के ऊपर तीसरी घटना है।

बिजली विभाग के नियम बने जी का जंजाल

कहीं लोड़ वृद्धि तो कहीं बिल में एकाएक वृद्धि से परेशानी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। बिजली विभाग के नियम-कानून उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल बन गये हैं। आये दिन बिजली बिल काफी अधिक आ जाने से उपभोक्ता बिजली कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

अधिषाशी अभियंता से बात करने पर उन्होंने बताया कि जहां पर स्मार्ट मीटर लग गये हैं। वहां पर शिकायतों में कमी आई है। जब उनसे पूछा गया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद भी काफी बिल आ रहा है तो उन्होंने बताया कि पिछला बिल जो मीटर परिवर्तन के कारण बकाया रह गया था, वह अब जुड़कर आ रहा है।

वहीं उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले बिल संशोधन कराने में काफी समय लगता था और बिल में पिछला बिल जोड़कर देना चाहिए, लेकिन कई महीने बाद अचानक लम्बा चौड़ा बिल आ जाना से एक मुश्त पैसा जमा करने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हालाकिं सरकार इसके लिए ब्याज माफी योजना भी चला रही है।

साथ ही लोड वृद्धि को लेकर भी उपभोक्ता सजग नहीं दिख रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली ऑफिस अन्य अधिकारियों के अलावा नये नियम की जानकारी चस्पा करें तथा पम्पलेट, समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी दी जाये। बुद्धिजीवियों का कहना है कि नियम-कानून पारदर्शी होना चाहिए, जिससे उपभोक्ता बिजली बिल व अपने बिजली खाते को लेकर जागरूक रहें।

कर्नाटक राजनीति : 'आंतरिक कलह में राज्य की बलि न दें', भाजपा सांसद की कांग्रेस को नसीहत

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने गुरुवार को मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे खींचतान के बीच कर्नाटक सरकार से आग्रह किया कि वह आंतरिक कलह के कारण राज्य की बलि न दे। एएनआई से बात करते हुए सिरोया ने राज्य में सुशासन की आशा व्यक्त की। सिरोया ने कहा, कल डीके शिवकुमार ने प्रार्थना की शक्ति में अपना विश्वास व्यक्त किया। हम भी कर्नाटक की जनता के लिए प्रार्थना करते हैं और उनके लिए सुशासन की कामना करते हैं। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह आंतरिक कलह को दरकिनार कर जनता की कुशलतापूर्वक सेवा करे। उन्होंने कहा कि ईश्वर वर्तमान सरकार को बुद्धि प्रदान करें ताकि वह जनता की प्रभावी ढंग से सेवा कर सके। मैं सरकार से यह भी आग्रह करता हूं कि वह आंतरिक कलह के कारण राज्य की बलि न दे। ये घटनाक्रम राज्य के मुख्यमंत्री में बदलाव की अटकलों के बाद सामने आए हैं, जब कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा समय पूरा कर लिया। इसके परिणामस्वरूप, कथित तौर पर चल रहे राजनीतिक उथल-पुथल में प्रमुख हस्तियों के बीच सत्ता संघर्ष शुरू हो गया है।

एमजीएनआरईजीए का नाम बदलने के खिलाफ कांग्रेस के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए, सिरोया ने इसे 'पार्टी की मूर्खता' बताया और कहा कि इस मामले पर कर्नाटक विधानसभा के विशेष सत्र में चर्चा की जाएगी। सिरोया ने कहा कि बी-जी राम-जी अधिनियम ग्रामीण लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी है। कांग्रेस को यह बात समझ नहीं आ रही है और विरोध प्रदर्शन के मामले में वे मूर्खतापूर्ण व्यवहार कर रहे हैं।

रेस्क्यू के दौरान करंट लगने से फायरमैन की दर्दनाक मौत, एक गंभीर घायल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।मकर संक्रांति के पावन पर्व पर पतंग की मांझे में फंसे एक कौए को बचाने निकले अग्निशमन दल के जवान की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हृदयविदारक घटना भिवंडी शहर के भादवड-टेमघर परिसर में घटी, जिससे पूरे अग्निशमन विभाग में शोक और आक्रोश का माहौल है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, पतंग की मांझे में फंसे कौए को रेस्क्यू करने के लिए अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंची थी। इस टीम में फायरमैन नितीन पष्टे (50) और आसाराम आघाव शामिल थे। रेस्क्यू के दौरान फाइबर की एक्सटेंशन पाइप का उपयोग कर कौए को छुड़ाने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान पाइप का संपर्क पेड़ के ऊपर से गुजर रही उच्च दाब की बिजली की लाइन से हो गया,जिससे दोनों फायरमैन को जोरदार करंट का झटका लगा।

इस हादसे में फायरमैन नितीन पष्टे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आसाराम आघाव गंभीर रूप से झुलस गए। घायल फायरमैन को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।घटना के बाद अग्निशमन दल के कर्मचारियों में तीव्र आक्रोश देखने को मिल रहा है।कर्मचारियों का आरोप है कि विभाग में भारी अव्यवस्था है और सुरक्षा के लिए आवश्यक उच्च गुणवत्ता की सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। एक फायरकर्मी ने बताया कि भिवंडी दमकल विभाग के पास लगभग 35 छोटी-बड़ी दमकल गाड़ियां हैं, लेकिन उसके अनुपात में फायरमैन नहीं हैं। जितने कर्मचारी हैं, उतनी ही गाड़ियां चलाई जा रही हैं, लेकिन उनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री घटिया गुणवत्ता की है। उन्होंने बताया कि मृतक फायरमैन के पास ग्लव्स (हाथों में सुरक्षा स्क्रिट) और गम बूट होने के बावजूद करंट लगा। किसी भी सुरक्षा उपकरण का नियमित परीक्षण नहीं किया जाता। फायर मैन के शरीर में करंट उतरा और फायरमैन की जान चली गई। कर्मचारियों का कहना है कि गाड़ियों में भी उच्च गुणवत्ता वाली सुरक्षा सामग्री नहीं है, जिससे हर रेस्क्यू ऑपरेशन जान जोखिम में डालकर करना पड़ता है।
इस गंभीर घटना के बावजूद, कर्मचारियों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि हादसे के बाद नगर पालिका का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी न तो घटनास्थल पर पहुंचा और न ही अस्पताल में घायल जवान की सुध लेने आया। जिस गाड़ी से रेस्क्यू किया जा रहा था, उसमें केवल दो फायरमैन सवार थे, जिनमें से एक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना ने एक बार फिर भिवंडी अग्निशमन विभाग की बदहाल स्थिति, कर्मचारियों की सुरक्षा और प्रशासन की संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

718 मतदान केंद्रों पर 4500 कर्मचारियों की तैनाती में हुआ मतदान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका के 23 वार्डों में 90 नगरसेवकों के चुनाव के लिए कड़े प्रशासनिक और सुरक्षा इंतजामों के बीच मतदान संपन्न हुआ। चुनाव के लिए शहर भर में कुल 718 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहां लगभग 4500 कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। मतदान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और मतदाताओं के अनुकूल बनाने के लिए प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं।
मनपा जनसंपर्क विभाग के अनुसार मनपा क्षेत्र की 173 इमारतों में 718 मतदान केंद्र तैयार किए गए थे। इनमें से 565 मतदान केंद्र सामान्य और 153 मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित किए गए थे। संवेदनशील मतदान केंद्र शहर की 27 इमारतों में बनाए गए थे, जहां सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदान केंद्रों के बाहर छायादार मंडप, पीने के पानी की व्यवस्था की गई थी। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए ट्रॉली और व्हीलचेयर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। पर्दा प्रथा के तहत आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए 350 महिला कर्मचारियों की विशेष रूप से नियुक्ति की गई थी।
चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे। पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे ने बताया कि बंदोबस्त के तहत एक अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, दो पुलिस उपायुक्त, आठ सहायक पुलिस आयुक्त, 25 पुलिस निरीक्षक, 60 पुलिस उपनिरीक्षक, 1550 पुलिस कर्मचारी और 1050 होमगार्ड तैनात किए गए थे। इसके अलावा राज्य रिजर्व पुलिस बल की तीन कंपनियों के साथ आरसीपी मोबाइल जोन और दो स्ट्राइकिंग फोर्स भी तैनात की गई थीं। उन्होंने बताया कि मतदान केंद्रों और सार्वजनिक मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से 1750 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। साथ ही पूरे शहर में 25 ड्रोन कैमरों की मदद से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी गई, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रशासन के अनुसार भारी सुरक्षा और व्यापक व्यवस्थाओं के बीच मनपा चुनाव का मतदान शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

पानी भरने के विवाद में महिला से मारपीट, तीन पर केस दर्ज

भिवंडी।नारपोली गांव में पानी भरने को लेकर चला आ रहा विवाद हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि परिजनों ने एक महिला के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी और हाथों से मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इस मामले में नारपोली पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़िता रेखा विकास पवार (32) बस कंडक्टर के रूप में कार्यरत है। 14 फरवरी 2026 की शाम करीब सात बजे वह अपने घर पर मौजूद थी। इसी दौरान उसकी ननंद जया संतोष पिटलेकर, दो दिन पहले पानी भरने को लेकर हुए विवाद की रंजिश मन में रखते हुए अपने माता-पिता के साथ वहां पहुंची।
आरोप है कि पहले पीड़िता के साथ गाली-गलौज की गई। इसके बाद विवाद बढ़ने पर सदाशिव भगवान पवार ने लकड़ी के डंडे से रेखा पवार के सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं मीराबाई सदाशिव पवार और जया संतोष पिटलेकर ने भी हाथों से मारपीट की। घटना के बाद घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसने नारपोली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जिसकी आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक अशोक येवले कर रहे है।

तेज रफ्तार आयशर की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार

भिवंडी।भिवंडी पालिका मुख्यालय के पास स्थित जकात नाका क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा 14 फरवरी की शाम करीब 7.34 बजे भिवंडी मनपा मुख्यालय के पास स्थित सेंट्रल अस्पताल के सामने आनंद दिघे चौक के पास हुआ। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान जवाहरलाल पुना चौधरी के रूप में हुई है। वह साइकिल से जा रहा था, तभी एमएच-04-एमएच-5056 नंबर की आयशर गाड़ी तेज रफ्तार में आई और उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायल युवक को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आयशर चालक मयंक कुमार श्यामनारायण द्विवेदी वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।इस संबंध में निजामपुरा पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार चालक का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इधर, युवक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने आरोपी चालक की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने 94 अधिकारियों को 70वां 'विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' प्रदान किया

94 अधिकारियों को मेधावी सेवा के लिए सम्मानित किया गया; मंडलों और विभागों को 30 दक्षता शील्ड प्रदान की गईं

नई दिल्ली (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने आज चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 70वां विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया। ये पुरस्कार रेल नेटवर्क के सुचारू संचालन और विकास के प्रति रेल कर्मचारियों के अनुकरणीय समर्पण, कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हैं।
समारोह के दौरान, महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे के 94 अधिकारियों /कर्मचारियों को उनकी मेधावी सेवाओं के लिए पुरस्कार प्रदान किए। व्यक्तिगत उत्कृष्टता के अलावा, उत्तर रेलवे के उन विभिन्न विभागों और मंडलों को 30 दक्षता शील्ड (ग्मिहम्ब एप्गाे) प्रदान की गईं, जिन्होंने पिछले वर्ष के दौरान विभिन्न परिचालन मानकों में असाधारण प्रदर्शन किया है।
इस अवसर पर उत्तर रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री मोहित चंद्र के साथ-साथ सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्ष,

उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और उत्तर रेलवे के विभिन्न मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी उपस्थित थे।
पुरस्कार विजेताओं और सभा को संबोधित करते हुए श्री अशोक कुमार वर्मा ने कहा, 'भारतीय रेल माननीय प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विजन को पूरा करने की दिशा में अथक प्रयास कर रही है। इस विजन को साकार करने में उत्तर रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारे भविष्य के रोडमैप में नवाचार, अडिग सुरक्षा मानक, गहन प्रशिक्षण और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।'
ाहाप्रबंधक ने ट्रैक रखरखाव और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संगठन के भीतर एक सांस्कृतिक परिवर्तन का आह्वान करते हुए अधिकारियों से 'औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागने' और रेल प्रशासन के प्रति अधिक सक्रिय, नागरिक-केंद्रित और कुशल दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उत्तर रेलवे के पूरे कार्यबल को नए उत्साह और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।
पुरस्कार समारोह से पहले रेलवे कर्मचारियों द्वारा एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें भारतीय रेल की समृद्ध विरासत और कार्य-संस्कृति की झलक दिखाई गई।

मुख्यमंत्री योगी ने लोगों को मकर संक्रांति और पोंगल की बधाई दी

'एक्स' पर लिखा- भगवान भास्कर और मां गंगा-यमुना-सरस्वती की कृपा सभी पर बनी रहे

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को फसल के त्योहारों मकर संक्रांति और पोंगल पर लोगों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, ''लोक आस्था और जगत पिता भगवान सूर्य की उपासना के पावन पर्व 'मकर संक्रांति' के सुअवसर पर पवित्र संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' उन्होंने कहा, ''भगवान भास्कर की कृपा तथा मां गंगा-यमुना-सरस्वती का आशीष सभी पर सदा बना रहे, यही प्रार्थना है।'' एक और पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने पोंगल की बधाई देते हुए कहा, ''कृषि-संस्कृति, प्रकृति-संरक्षण और अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ को समर्पित पोंगल पर्व की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''समृद्धि और सद्भाव का संदेश देने वाला यह पर्व सभी के जीवन को सुख, शांति, आनंद और आरोग्यता से परिपूर्ण करे, यही प्रार्थना है।''

मायावती ने जन्म दिन पर कार्यकताओं को दिया बड़ा संदेश, कहा- चुनाव में शर्त पर होगा गठबंधन पर विचार

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 सहित देश में होने वाले सभी छोटे-बड़े चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश में बसपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में अपना 70वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने भाजपा सहित अन्य राजनीतिक दलों पर निशाना साधा।

उन्होंने स्पष्ट किया, 'हमारी पार्टी ने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में सभी चुनाव अकेले लड़ना अधिक उचित समझा है। किसी भी पार्टी के साथ किसी भी चुनाव में किसी प्रकार का गठबंधन नहीं किया जाएगा।' उन्होंने कहा कि भविष्य में यदि यह भरोसा हो जाता है कि किसी गठबंधन सहयोगी पार्टी के खासकर अगड़ी जातियों के वोट बसपा को स्थानांतरित हो सकते हैं, तभी गठबंधन पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में वर्षों लग सकते हैं। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता बसपा के चार कार्यकालों को याद करते हुए एक बार फिर 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि इसे साकार करने के लिए पार्टी के कार्यकर्ता पूरी तरह जुट गए हैं, ताकि इस बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई जा सके। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस, भाजपा सहित अन्य जातिवादी पार्टियां विभिन्न हथकंडे अपना रही हैं जिनका मुंहतोड़ जवाब देकर उत्तर प्रदेश में

पांचवीं बार बसपा की सरकार बनानी है। ईवीएम को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले कई चुनावों की तरह इस बार भी ईवीएम में धांधली और बेईमानी हो सकती है, इसके बावजूद बसपा पूरे देश में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी।

उन्होंने कहा कि लोगों का मानना है कि ईवीएम में धांधली करने वालों का सिस्टम कभी भी विफल हो सकता है और तब सही चुनाव परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे देश में ईवीएम का विरोध बढ़ रहा है। बसपा प्रमुख ने पूर्ववर्ती सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि बसपा के संस्थापक कांशीराम के निधन पर राष्ट्रीय शोक घोषित नहीं किया गया और उनकी उपेक्षा की गई थी। उन्होंने कहा कि अन्य जातियों के साथ-साथ मुस्लिम समाज के साथ भी अन्याय हुआ है।

मायावती ने दावा किया कि बसपा सरकार के दौरान दंगे नहीं हुए और यादव समाज का भी पूरा ध्यान रखा गया। इससे पहले मायावती के जन्मदिन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। प्रभु श्रीराम से आपके दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने लिखा, 'आदरणीय सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। उन्हें स्वस्थ, स्वतंत्र जीवन और सार्थक सक्रियता के लिए अनंत शुभकामनाएं।' उन्होंने आगे लिखा, 'शोषित, वंचित, उत्पीड़ित और उपेक्षित समाज के मान-सम्मान एवं अधिकारों के लिए उनका संघर्ष निरंतर बना रहे–इसी कामना के साथ पुनः जन्मदिन की बधाई।' बसपा प्रमुख मायावती का आज 70वां जन्मदिन है, जिसे पार्टी पूरे प्रदेश में 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मना रही है।

मकर संक्रांति पर सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाई खिचड़ी, कहा- 'ये मेरा सौभाग्य है

गोरखपुर **(एजेंसी)**। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर गुरुवार तड़के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 4 बजे नाथपंथ की परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ को श्रद्धा की पवित्र खिचड़ी अर्पित की। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और लोकमंगल की कामना की। खिचड़ी अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों, संतों और श्रद्धालुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

सीएम योगी ने कहा कि मकर संक्रांति के अवसर पर गोरखपुर में लाखों श्रद्धालु गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर पंक्तिबद्ध होकर खिचड़ी चढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान गोरखनाथ के चरणों में खिचड़ी अर्पित करने का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी आस्था और विश्वास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है। सूर्यदेव को जगत की आत्मा माना गया है और यह पर्व सूर्य उपासना का प्रतीक है। मकर संक्रांति के बाद सनातन परंपरा में सभी शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है। उन्होंने बताया कि ज्योतिष के अनुसार सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है, जिसे संक्रांति कहा जाता है। जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है, तब मकर संक्रांति मनाई जाती है। सीएम योगी ने कहा कि मकर संक्रांति के साथ सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और अगले छह महीने तक यह काल चलता है।

साधु के भेष में मंदिर में घुसा चोर! माता का मुकुट और चढ़ावा लेकर फरार, सीसीटीवी फुटेज वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के मुरलीनगर इलाके में आस्था को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां स्थित एक प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर में साधु के भेष में घुसे शातिर चोर ने माता का चांदी का मुकुट और दानपात्र में रखी नगदी चोरी कर ली। पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

घटना 11 जनवरी की शाम की बताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि एक व्यक्ति साधु के वेश में मंदिर का गेट खोलकर अंदर प्रवेश करता है। इसके बाद वह बड़ी सहजता से माता के विग्रह से चांदी का मुकुट उतारता है और दानपात्र से नकदी निकालकर फरार हो जाता है। चोरी के बाद आरोपी मंदिर परिसर से बाहर निकल जाता है।

मंगलवार को जब मंदिर के व्यवस्थापक मधुसूदन त्रिवेदी पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे, तो उन्हें माता का मुकुट गायब मिला। दानपात्र की जांच करने पर उसमें रखी नगदी भी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल मोहनलालगंज थाने में पुलिस को तहरीर देकर घटना की जानकारी दी।

'अब कोई बचाने नहीं आएगा' अनुज चौधरी के खिलाफ एफआईआर का आदेश

अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया

लखनऊ **(एजेंसी)**। संभल हिंसा मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। चंदौसी की अदालत ने तत्कालीन सीओ अनुज चौधरी, तत्कालीन कोतवाली प्रभारी अनुज तोमर और कुछ अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इस फैसले के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार और पुलिस पर कड़ा हमला बोला है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि अब इन पुलिसकर्मियों को बचाने कोई नहीं आएगा। उन्होंने कहा, 'अब कोई बचाने नहीं आएगा। अब ये पक्षपाती पुलिसकर्मी अकेले में खाली बैठकर याद करेंगे। भाजपा का फ़ार्मूला नंबर 1 है, पहले इस्तेमाल करो, फिर बर्बाद करो! भाजपा का फ़ार्मूला नंबर 2 है - भाजपाई किसी के सगे नहीं होते।'

एक अन्य पोस्ट में अखिलेश यादव ने कहा कि कुछ बड़े पुलिस अधिकारी कोर्ट के आदेश को गलत बता रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह अदालत की अवमानना नहीं है। अखिलेश ने कहा, सत्ता की चापलूसी के चक्कर में जरूरत से ज्यादा दरोगाई दिखाना कहीं महंगा न पड़ जाए।'

संभल जिले के चंदौसी कोर्ट ने यह आदेश 9 जनवरी को दिया था। यह आदेश उस याचिका पर आया, जो हिंसा में घायल एक युवक के पिता ने दायर की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि युवक को पुलिस की गोली लगी थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 को लेकर भारी क्रेज 50 करोड़ से ज्यादा आए टिकट रिक्वेस्ट

लुसाने **(एजेंसी)**। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए दुनिया भर में उत्साह पहले कभी नहीं देखा गया, रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ टिकट बिक्री फेज के दौरान आधे बिलियन से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट सबमिट की गईं, जो गुरुवार, 11 दिसंबर 2025 से मंगलवार, 13 जनवरी 2026 तक चला। सिर्फ 33 दिनों में सभी 211 फीफा मेंबर एसोसिएशन के देशों/टेरिटरी में रहने वाले फैन्स से एप्लीकेशन मिलीं।

मेजबान यूनाइटेड स्टेट्स, मेक्सिको और कनाडा टॉप एप्लीकेंट देशों में शामिल हैं, साथ ही जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, स्पेन, पुर्तगाल, अर्जेंटीना और कोलंबिया भी शामिल हैं। फैन्स को उनके टिकट एप्लीकेशन के नतीजे के बारे में 5 फरवरी से पहले ईमेल से बताया जाएगा। हर एप्लीकेशन को यूनिक क्रेडिट कार्ड डेटा से वैलिडेट किया गया, फैन्स ने 33 दिन की एप्लीकेशन विंडो में हर दिन एवरेज 15 मिलियन टिकट रिक्वेस्ट कीं जिसने दुनिया के खेल के इतिहास में डिमांड के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया।

उन सभी देशों और इलाकों में रहने वाले फैंस से एप्लीकेशन मिले, जहां फीफा के 211 मेंबर एसोसिएशन खेल को कंट्रोल करते हैं। इससे पता चलता है कि पहली बार हुए 48 टीमों वाले फीफा वर्ल्ड कप की दुनिया भर में कितनी अपील है। होस्ट देशों यूनाइटेड स्टेट्स, मेक्सिको और कनाडा के अलावा, सबसे ज़्यादा एप्लीकेशन जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, स्पेन, पुर्तगाल, अर्जेंटीना और कोलंबिया में रहने वाले फैंस से आए।

इस सेल्स फेज में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला मैच शनिवार 27 जून को मियामी में कोलंबिया बनाम पुर्तगाल था। टॉप 5 में गुरुवार 18 जून को ग्वाडलहारा में मेक्सिको बनाम कोरिया रिपब्लिक; रविवार, 19 जुलाई को न्यूयॉर्क न्यू जर्सी में फाइनल; गुरुवार, 11 जून को

मेक्सिको सिटी में मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बीच टूर्नामेंट का पहला मैच; और गुरुवार, 2 जुलाई को टोरंटो में राउंड-ऑफ-32 मैच शामिल हैं जिससे तीनों होस्ट देशों में बड़े मैचों और नॉकआउट-स्टेज मुकाबलों की जबरदस्त अपील का पता चलता है।

फीफा प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'सिर्फ एक महीने में आधा बिलियन टिकट रिक्वेस्ट, डिमांड से ज़्यादा हैं - यह एक ग्लोबल स्टेटमेंट है। फीफा की तरफ से मैं इस जबरदस्त रिस्पॉन्स के लिए दुनिया भर के फुटबॉल फैन्स को धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं।' रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ एप्लीकेशन पीरियड खत्म होने के बाद फीफा टिकटिंग यह वेरिफाई करेगा कि टिकट रिक्वेस्ट, टिकट देने से पहले एप्लीकेशन की जरूरतों और घर की लिमिट को पूरा करती हैं।

एक बार जब यह प्रोसेस खत्म हो जाएगा और जहां डिमांड मौजूद इन्वेंट्री से ज्यादा हो जाएगी, तो सभी एप्लिकेंट्स के लिए फेयरनेस और बराबर मौका पक्का करने के लिए रैंडम सिलेक्शन प्रोसेस के जरिए टिकट दिए जाएंगे। फैन्स को उनके टिकट एप्लीकेशन के नतीजे की जानकारी 5 फरवरी से पहले ईमेल से दी जाएगी। सभी सफल और कुछ हद तक सफल टिकट एप्लिकेंट को ईमेल से जानकारी मिलेगी और बाद में उनसे उनके टिकट के लिए अपने आप चार्ज लिया जाएगा।

कुछ हद तक सफल एप्लीकेशन का मतलब है कि फैन को एक मैच के लिए रिक्वेस्ट किए गए टिकट मिलेंगे, लेकिन सभी रिक्वेस्ट किए गए मैच के लिए नहीं। जो फैन्स इस फेज में सफल नहीं होते हैं, उन्हें टूर्नामेंट के करीब, जब लास्ट-मिनट सेल्स फेज खुलेगा, तब बचा हुआ स्टॉक खरीदने का एक और मौका मिलेगा। इस विंडो के दौरान जो टूर्नामेंट के आखिर तक चलेगी, टिकट पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर बेचे जाएंगे।

मैच के बाद पसंदीदा खाना कौन सा है? हरमनप्रीत कौर ने किया खुलासा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय महिला टीम और मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत को छोले भटूरे और बटर चिकन बेहद पंसद है। जियो हॉटस्टार पर बात करते हुए मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि मैच के बाद उनका पसंदीदा खाना कौन सा है। उन्होंने कहा, 'छोले भटूरे और बटर चिकन।' इस बातचीत के दौरान उन्होंने उन खिलाड़ियों के नाम बताए जो सबसे बड़े शरारती हैं।

उन्होंने कहा, 'हेली मैथ्यूज और शबनीम इस्माइल को जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे युवा लड़कियों की टांग खींचती रहती हैं।' हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें क्रिकेट के अलावा फुटबॉल बेहद पंसद है। जब उनसे पूछा गया कि अगर क्रिकेट नहीं तो वह कौन सा खेल खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल, मुझे फुटबॉल बहुत पसंद है।' ड्रेसिंग रूम में सबसे अधिक बजने वाले गाने और उनके पसंदीदा गाने को लेकर उन्होंने कहा, 'पंजाबी बीट गाने। अभी मुझे पंजाबी गाना बैड बॉय बेहद पसंद है।' उन्होंने कहा कि शबनीम इस्माइल सबसे मुश्किल गेंदबाज है। उन्होंने कहा, 'प्रैक्टिस नेट में मैं कह सकती हूं शबनीम इस्माइल का सामना करना बहुत मुश्किल है।' अपनी कप्तानी के अंदाज में वह एक चीज जो कभी नहीं बदलना चाहेंगी। उन्होंने कहा, 'मेरी कप्तानी के अंदाज में एक चीज जो मैं कभी नहीं बदलना चाहती, वह है मैदान पर आक्रामकता। क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरे अंदर से सबसे अच्छा निकालता है। मैदान के बाहर मुझे गुस्सा नहीं आता।'

कॉपर की कीमतों में बंपर उछाल, एसी समेत कई इलेक्ट्रॉनिक सामान हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आप इस गर्मी नया एयर कंडीशनर (एसी) खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपकी जेब को झटका दे सकती है। दरअसल, एसी में इस्तेमाल होने वाले कॉपर की कीमतों में बीते एक साल के दौरान तेज उछाल देखने को मिला है, जिसके चलते कंपनियां एसी की कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं।

कॉपर का इस्तेमाल एसी की कॉइल, वायरिंग और अन्य अहम पार्ट्स में होता है। बीते एक साल में कॉपर की कीमतों में करीब 60 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके बाद एयर कंडीशनर बनाने वाली कंपनियों पर लागत का दबाव बढ़ गया है और अब इसका असर ग्राहकों पर पड़ना तय माना जा रहा है।

कॉपर की बढ़ती कीमतों का असर सिर्फ एयर कंडीशनर तक सीमित नहीं रहेगा। घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों और पावर इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत भी बढ़ सकती है। इंडस्ट्री रिपोर्ट्स के मुताबिक, कॉपर के महंगा होने से एसी की कीमतों में 7 से 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

जनवरी की शुरुआत में घरेलू बाजार में कॉपर फ्यूचर्स 1, 307 से बढ़कर करीब 1, 330 रुपये प्रति किलो के आसपास कारोबार कर रहे हैं, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉपर की कीमतें 12, 000 डॉलर प्रति टन के करीब पहुंच गई हैं, जिसे साल 2025 का सबसे ऊंचा स्तर बताया जा रहा है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के एप्लायंसेज बिजनेस के ईवीपी कमल नंदी के मुताबिक, एसी कैटेगरी में इनपुट कॉस्ट 8 से 10 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। इसका असर आने वाले दिनों में बाजार में दिखेगा और एसी की कीमतों में 7 से 8 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है।

इस कड़ी में वोल्टास, हवल्स, क्रॉम्पटन ग्रीव्स और पॉलीकैब जैसी कई बड़ी कंपनियां भी एसी के दाम बढ़ाने की तैयारी में हैं। ऐसे में गर्मी बढ़ने से पहले एसी खरीदने की सोच रहे ग्राहकों को अब ज्यादा कीमत चुकानी पड़ सकती है।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए।

श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा। बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21-18, 21-15 से हराया। महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी।

गूगल ने भारतीय स्टार्टअप के लिए 'बाजार पहुंच कार्यक्रम' शुरू किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने बृहस्पतिवार को भारतीय स्टार्टअप फर्मों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद देने के लिए 'बाजार पहुंच कार्यक्रम' की शुरुआत की। इसके साथ ही कंपनी ने अपने मुक्त-स्रोत मॉडल के समूह 'जेम्मा' में नए एआई मॉडल जोड़ने की भी घोषणा की। गूगल ने कहा कि यह पहल भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) संबंधी ढांचे से जुड़े उसके निवेश को आगे बढ़ाती है। कंपनी पहले ही आंध्र प्रदेश में एआई बुनियादी ढांचा केंद्र के लिए 15 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा कर चुकी है। विशाखापत्तनम में स्थापित वैश्विक एआई केंद्र को हरित ऊर्जा से संचालित किया जा रहा है और इसमें गूगल के उन्नत एआई चिप का इस्तेमाल होगा, जिससे भारतीय स्टार्टअप फर्मों को उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग सुविधाएं मिल सकेंगी।

गूगल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'बाजार पहुंच कार्यक्रम' का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप फर्मों को स्थानीय स्तर पर किए गए प्रयोगों से सीधे वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में मदद करना है। यह कार्यक्रम उन एआई-आधारित स्टार्टअप फर्मों के लिए है जो शुरुआती चरण से आगे बढ़ चुके हैं और अब बड़े स्तर

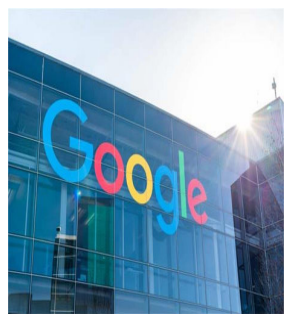

पर काम करना चाहते हैं। गूगल ने जेम्मा एआई मॉडल परिवार के तहत मेडजेम्मा 1.5 और फंक्शनजेम्मा जैसे नए मॉडल भी पेश किए। मेडजेम्मा 1.5 मॉडल स्वास्थ्य क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली उन्नत एआई जरूरतों को पूरा करेगा जबकि फंक्शनजेम्मा हल्का मॉडल है जो मोबाइल या उपकरणों पर सुरक्षित तरीके से एआई आधारित काम करने में मदद करेगा।

इस मौके पर गूगल की क्षेत्रीय प्रबंधक (भारत) प्रीति लोबाना ने कहा, 'एआई अब सिर्फ अनुसंधान प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग तक पहुंच चुका है।' उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप अब एआई का सिर्फ प्रयोग नहीं कर रहे बल्कि वे अब अपनी क्षमता को भरोसेमंद उत्पादों और कारोबार में भी बदल रहे हैं।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का आगाज जय शाह ने सभी टीमों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में आज से शुरू हो रहे आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने सभी भाग लेने वाली टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट को क्रिकेट की अगली पीढ़ी के सितारों के लिए सबसे बड़ा मंच बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किए गए अपने संदेश में जय शाह ने कहा, '15 जनवरी से मेजबान देशों जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू हो रहे आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए सभी टीमों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं। यह युवा प्रतियोगिता लंबे समय से क्रिकेट के कई महान सितारों का रास्ता रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि इस बार भी दुनिया को नए स्टार मिलेंगे।'

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 इस आयु वर्ग के 50 ओवरों वाले टूर्नामेंट का 16वां संस्करण है। इसमें कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट के लिए टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है, जिनमें हर ग्रुप में चार-चार टीमें हैं।

भारतीय टीम को ग्रुप ए में रखा गया है, जहां उसका सामना न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और अमेरिका से होगा। भारत अपने सभी ग्रुप मैच बुलावायो में खेलेगा। भारतीय टीम आज टूर्नामेंट के पहले ही दिन क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

स्वच्छ ईंधन में वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर का वार्षिक निवेश जरूरी : डब्ल्यूईएफ रिपोर्ट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। स्वच्छ ईंधन से जुड़े वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए वर्ष 2030 तक निवेश को चार गुना कर सालाना 100 अरब डॉलर पर ले जाने की जरूरत होगी। बृहस्पतिवार को एक अध्ययन रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की अगले हफ्ते दावोस में शुरू होने वाली वार्षिक बैठक से पहले जारी यह रिपोर्ट कहती है कि स्वच्छ ईंधन ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के साथ आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, पारंपरिक ईंधन की तुलना में स्वच्छ ईंधन क्षेत्र दो से तीन गुना ज्यादा नौकरियां पैदा कर सकता है और देशों की ऊर्जा आपूर्ति को अधिक विविध बना सकता है। स्वच्छ ईंधन के तहत जैव ईंधन, हाइड्रोजन आधारित ईंधन और कम कार्बन वाले जीवाश्म ईंधन शामिल हैं। ये ईंधन परिवहन और उद्योग जैसे क्षेत्रों में उत्सर्जन घटाने में मददगार हैं। फिलहाल तरल और गैसीय ईंधन दुनिया की कुल ऊर्जा जरूरतों का 56 प्रतिशत हिस्सा पूरा करते हैं। हालांकि अभी स्वच्छ ईंधन में निवेश का अनुपात स्वच्छ ऊर्जा निवेश के एक प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक है।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर निवेश की रफ्तार नहीं बढ़ी, तो तय लक्ष्य पूरे नहीं हो पाएंगे। इस समय दुनिया भर में स्वच्छ ईंधन क्षेत्र में सालाना करीब 25 अरब डॉलर का निवेश हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 'स्वच्छ ईंधन के लिए मजबूत संभावनाएं हैं, लेकिन बड़े लक्ष्यों को जमीन पर उतारने के लिए हकीकत को समझते हुए ठोस और निवेश-योग्य परियोजनाएं बनानी होंगी। वैश्विक स्वच्छ ईंधन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 2030 तक कम-से-कम 100 अरब डॉलर सालाना निवेश जरूरी होगा।'

डब्ल्यूईएफ की रिपोर्ट कहती है कि स्वच्छ ईंधन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में शुरुआती लागत अधिक होने, मांग को लेकर अनिश्चितता और नीतिगत असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इन्हें दूर करने के लिए सरकार, उद्योग और वित्तीय संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल और स्पष्ट नीतियों की जरूरत होगी। इस श्वेत-पत्र को बैन एंड कंपनी के सहयोग से तैयार किया गया है। रिपोर्ट में ऐसे नीतिगत, कारोबारी और वित्तीय उपायों का खाका पेश किया गया है जो वैश्विक लक्ष्यों को भरोसेमंद और आर्थिक रूप से टिकाऊ परियोजनाओं में बदल सकता है।

भारत के बैंकिंग सेक्टर को मिलेगी मजबूती, जापान के एसएमबीसी को सब्सिडियरी खोलने की मंजूरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के बैंकिंग सेक्टर के लिए आने वाला समय और मजबूत होने वाला है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) को भारत में पूरी तरह से अपनी कंपनी यानी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी (डब्ल्यूओएस) खोलने के लिए शुरुआती मंजूरी दे दी है। यह जानकारी आरबीआई ने 14 जनवरी को दी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह मंजूरी वर्ष 2025 के नियमों के तहत दी गई है, जिनके तहत विदेशी बैंकों को भारत में पूरी तरह से स्वामित्व वाली सब्सिडियरी खोलने की अनुमति है। फिलहाल एसएमबीसी भारत में ब्रांच मोड के जरिए काम कर रहा है और नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में इसकी चार शाखाएं हैं। अब इन शाखाओं को डब्ल्यूओएस में बदलने की शुरुआती अनुमति दे दी गई है।

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 22(1) के तहत एसएमबीसी को डब्ल्यूओएस के रूप में बैंकिंग कारोबार शुरू करने का अंतिम लाइसेंस बाद में दिया जाएगा। यह लाइसेंस तभी मिलेगा जब बैंक आरबीआई द्वारा तय की गई सभी शर्तों और नियमों का पूरी तरह पालन करेगा। भारत में सब्सिडियरी बैंक बनने से एसएमबीसी को अपने कारोबार में ज्यादा लचीलापन और स्वतंत्रता मिलेगी, जिससे वह भारतीय बाजार में अपनी सेवाओं का विस्तार कर सकेगा। एसएमबीसी जैसी बड़ी जापानी बैंक की भारत में मौजूदगी से जापान से निवेश और पूंजी प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा। भारत-जापान के बीच कारोबार करने वाली कंपनियों को बेहतर फाइनेंस, लोन और ट्रेजरी सेवाएं मिलेंगी।

'आइटम सॉन्ग करके अच्छा' 52 साल की मलाइका अरोड़ा का बेबाक बयान, ट्रोलर्स को दिया मुंहतोड़

मलाइका अरोड़ा 52 साल की हैं लेकिन उन्होंने बॉलीवुड में तहलका मचाकर रखा हुआ है। वह जिस भी फिल्म में आइटम सॉन्ग करती हैं वो गाना छा जाता है। मलाइका अरोड़ा का आइटम सॉन्ग मुन्नी बदनाम हुई हर किसी की जुबां पर रहता है लेकिन इसके अलावा भी उन्होंने कई गानों में अपनी अदाएं दिखाई हैं। साल 2025 में मलाइका यो यो हनी सिंह के म्यूजिक वीडियो 'चिलगम' में नजर आई थीं। इसके बाद वह फिल्म 'थामा' के गाने 'पॉइजन बेबी' में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। मलाइका कई बार अपने आइटम सॉन्ग की वजह से ट्रोल भी होती हैं और वजह उनकी उम्र हैं। इस पर अब मलाइका ने मजेदार रिएक्शन दिया है।

मलाइका अरोड़ा ने नम्रता जकारिया के यूट्यूब शो में अपने करियर और पर्नसल लाइफ पर बात की। इस मौके पर मलाइका से उनके आइटम सॉन्ग के बारे में पूछा गया और ट्रोलिंग पर सीधा सवाल किया गया। बदले में मलाइका अरोड़ा ने भी शानदार अंदाज में सीधा जवाब दिया, जिससे ट्रोलर्स की बोलती बंद हो जाएगी। उनसे पूछा गया कि क्या वह इस इमेज को अपना मानती हैं, जो उनकी परफॉर्मेंस से जुड़ी है? इस पर उन्होंने कहा, 'क्यों नहीं? मुझे इस काम को करने या इसके लिए माफी मांगने की क्या जरूरत है? आपको चीजों के लिए ट्रोल किया जाता है। बहुत से लोग अलग-अलग बातें कहते हैं, लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि इसमें इतनी बड़ी क्या बात है।'

मलाइका अरोड़ा ने अपनी उम्र का जिक्र करते हुए आगे कहा कि डांस एक एक्सप्रेशन है और मुझे सच मंय बहुत अच्छा लगता है कि मैं 52 साल की उम्र में ये सब आराम से कर पाती हूं। मैं जरूर कुछ तो सही कर रही हूं। मलाइका ने इस मौके पर अपने काम की भी बात की और कहा, 'ये बहुत ही एम्पावरिंग है। इससे मुझे बहुत अच्छा लगता है और हमेशा ही अच्छा महसूस होता है।'

बता दें कि मलाइका ने कई शानदार गाने किए हैं, जिसमें सबसे पहले चल छैयां छैयां है। इस गाने में मलाइका ने ट्रेन पर खड़े होकर डांस किया था, जिसमें शाहरुख खान भी हैं। इसके अलावा, वह हाउसफुल 2 के अनारकली, दबंग में मुन्नी बदनाम, वेलकम में होठ रसीले जैसे हिट गाने किए हैं।

क्या उदयपुर में राहुल मोदी संग सात फेरे लेंगी श्रद्धा? शादी की खबरों पर भाई सिद्धांत कपूर ने तोड़ी चुप्पी

साल 2026 की शुरुआत के साथ ही बॉलीवुड में शादियों का सीजन भी शुरू हो चुका है। कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन की शादी के बाद अब गलियारों में चर्चा है कि बॉलीवुड की 'नेशनल क्रश' श्रद्धा कपूर भी जल्द ही दुल्हन बनने वाली हैं। खबरें हैं कि श्रद्धा अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ्रेंड और लेखक राहुल मोदी के साथ उदयपुर में एक भव्य हेरिटेज वेडिंग की योजना बना रही हैं।

एक सोशल मीडिया पेज ने एक पोस्ट किया, जिसमें लिखा था, 'रिपोर्ट्स के मुताबिक, बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड से शादी करने जा रही हैं, सूत्रों के अनुसार उदयपुर में एक खूबसूरत हेरिटेज शादी होगी। हालांकि अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है, लेकिन इस खबर ने पहले ही सोशल मीडिया पर खुशी और दिल टूटने की मिली-जुली भावनाएं पैदा कर दी हैं। सालों से, श्रद्धा को प्यार से नेशनल क्रश कहा जाता है, उनकी सादगी और चार्म के लिए उनकी तारीफ की जाती है। फैंस मज़ाक कर रहे हैं कि यह टाइटल शायद आखिरकार रिटायर हो जाएगा, लेकिन साथ ही, कई लोग उन्हें ज़िंदगी के एक नए पड़ाव में जाते देखकर सच में खुश हैं।' इस पर रिएक्शन देते हुए सिद्धांत कपूर ने कहा, '(कई हैरान और हंसने वाले इमोजी) ये तो मेरे लिए भी न्यूज़ है।'

हाल ही में, श्रद्धा ने खुद अपनी शादी के बारे में तब शक पैदा किया जब उन्होंने एक फैन के सवाल का जवाब दिया कि वह कब शादी करेंगी। सोशल मीडिया यूज़र ने पूछा, 'शादी कब करोगी श्रद्धा कपूर जी।' इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, 'मैं करूंगी, मैं विवाह करूंगी।'

श्रद्धा और राहुल के डेटिंग की अफवाहें तब शुरू हुईं जब उन्हें 2024 की शुरुआत में एक डिनर डेट के बाद साथ देखा गया। दोनों ने पब्लिकली अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, उन्हें अक्सर इवेंट्स और पब्लिक जगहों पर साथ देखा जाता था। 2024 में ब्रेकअप की अफवाहें थीं, लेकिन एक्ट्रेस ने दिसंबर 2024 में इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ वड़ा पाव डेट की एक तस्वीर पोस्ट करके इन अटकलों को खत्म कर दिया।

काशी की विरासत पर बुलडोजर कार्रवाई? मणिकर्णिका घाट पर सौंदर्यीकरण को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को वाराणसी के प्रसिद्ध श्मशान घाट, मणिकर्णिका घाट के प्रस्तावित रूपांतरण पर सवाल उठाते हुए इसे बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण का प्रयास बताया, जो सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर कई मंदिरों, छोटे-बड़े तीर्थस्थलों को ध्वस्त किया जा रहा है।

मल्लिकार्जुन खर्गे ने पूछा कि लाखों लोग हर साल अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में मोक्ष की तलाश में काशी आते हैं। क्या आपका इरादा इन श्रद्धालुओं के साथ विश्वासघात करने का है?

खरगे ने कथित तौर पर ध्वस्त की गई मूर्तियों और बुलडोजरों की तस्वीरें और वीडियो एक्स पर साझा किए। खरगे ने एक्स पर लिखा कि बेस्वाद सौंदर्यीकरण और व्यवसायीकरण के नाम पर आपने बनारस के मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर चलाकर सदियों पुरानी धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को नष्ट कर दिया है। आप

चाहते हैं कि ऐतिहासिक विरासत का हर टुकड़ा मिटा दिया जाए और उस पर सिर्फ आपकी नामपट्टिका चिपका दी जाए।

खरगे ने कहा कि गुप्त काल में स्थापित और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर द्वारा पुनर्निर्मित इस दुर्लभ धरोहर को ध्वस्त करना एक अपराध है। उन्होंने पूछा कि क्या इसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी के व्यापारिक मित्रों' को लाभ पहुंचाने का इरादा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने पूछा कि आपने पानी, जंगल, पहाड़ - सब कुछ उन्हें सौंप दिया; अब सांस्कृतिक धरोहर की बारी है। देश की जनता के आपसे दो सवाल हैं - क्या धरोहर को संरक्षित करते हुए जीर्णोद्धार, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण नहीं किया जा सकता था? 2. मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर की चपेट में आने वाली सैकड़ों साल पुरानी मूर्तियों पर कुल्हाड़ी क्यों चलाई गई और उन्हें मलबे में क्यों फेंक दिया गया? क्या उन्हें किसी संग्रहालय में संरक्षित नहीं किया जा सकता था?

मणिकर्णिका घाट के जीर्णोद्धार और पुनर्विकास की योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 7 जुलाई, 2023 को आधारशिला रखने के साथ हुई थी। इस परियोजना की कुल जीर्णोद्धार लागत लगभग 17.56 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए मणिकर्णिका घाट की छत पर विशेष अतिथियों के लिए बैठने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, रैंप, दर्शन क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मणिकर्णिका घाट पर एक लकड़ी का प्लाजा भी बनाया जाएगा, जहां शोक संतप्त लोग अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी खरीद सकेंगे।

प्रचंड, अटल और असहनीय, भारतीय सेना ने जारी किया ऑपरेशन 'सिंदूर' का नया वीडियो

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सेना ने सेना दिवस के अवसर पर एक नया वीडियो जारी किया, जिसमें पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा पार आतंकी शिविरों पर किए गए सटीक हमलों और उसके बाद पाकिस्तानी हवाई अड्डों और उनके रडार सिस्टम पर हुए हमलों को दिखाया गया है। तीन मिनट के इस वीडियो की शुरुआत में 2001 में संसद पर हमला, 2002 में अक्षरधाम मंदिर पर हमला, 2008 में मुंबई पर हमला, 2016 में उरी पर हमला, 2019 में पुलवामा पर हमला और 2025 में पहलगाम पर हमला जैसी प्रमुख आतंकी घटनाओं का जिक्र किया गया है। सेना ने इन घटनाओं को मानवता पर हमला बताया है। वीडियो में दिखाया गया कि कैसे भारतीय सेना ने 7 मई, 2025 की रात को नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। दृश्यों में ऑपरेशन सिंदूर के तहत किए गए समन्वित हमले दिखाए गए।

पाकिस्तान का नाम लिए बिना, वीडियो में जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों के पास पाकिस्तान द्वारा की गई भारी गोलाबारी के बाद के हालात भी दिखाए गए। इसमें भारतीय सेना द्वारा ड्रोन को मार

गिराने और सैन्य चौकियों को निशाना बनाने के माध्यम से की गई जवाबी कार्रवाई भी दिखाई गई। फुटेज में सीमा पार हवाई रक्षा रडारों और हवाई अड्डों पर हमले भी दिखाए गए। वीडियो के अंत में एक संदेश है, हमारे दुश्मनों के लिए एक चेतावनी। उन्हें अपनी कायरता की कीमत चुकानी होगी।

ऑपरेशन सिंदूर का विचार तब आया जब पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किया, लोगों से उनका धर्म पूछा और 26 लोगों की हत्या कर दी। सरकार ने कहा था कि पहलगाम हमला सांप्रदायिक हिंसा भड़काने का स्पष्ट प्रयास था। 7 मई 2025 को, भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ड्रोन भेजे और जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लोगों के घरों पर गोलाबारी की। इसके जवाब में भारत ने हमले किए और पाकिस्तान में कई रडार प्रतिष्ठानों और महत्वपूर्ण हवाई अड्डों को नष्ट कर दिया।

अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान 'गोलक' बयान पर दी सफाई, कहा- हर फैसला मंजूर

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान गुरुवार को सिख परंपराओं पर कथित टिप्पणियों के संबंध में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश हुए और उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ फैलाई जा रही अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। सचिवालय के समक्ष पेश होने के बाद उन्होंने कहा कि तख्त साहिब का निर्णय उन्हें सूचित किया जाएगा और वे इस निकाय के आगामी निर्णय का सम्मान करेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके बयान का वीडियो 'फर्जी' है और उन्होंने इसे फोरेंसिक प्रयोगशाला में जांच कराने का प्रस्ताव रखा।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मेरे खिलाफ मिली सभी शिकायतों के जवाब में मैंने श्री अकाल तक़्त साहिब के समक्ष अपना पक्ष रखा है। मैंने अकाल तक़्त साहिब के समक्ष लिखित सबूत भी पेश किए हैं। मैंने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर चल रही ये अफवाहें कि भगवंत मान श्री अकाल तक़्त साहिब को चुनौती दे रहे हैं, झूठी हैं। अकाल तक़्त साहिब के समक्ष ऐसा करने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। सिंह साहब का फैसला मुझे बता दिया जाएगा। सिंह साहब के फैसले का सम्मान किया जाएगा... मैंने उन्हें बताया कि वीडियो फर्जी है और इसकी जांच किसी भी फोरेंसिक प्रयोगशाला में कराई जा सकती है।

इससे पहले, श्री अकाल तक़्त साहिब के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के अनुसार, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान 'गोलक' मुद्दे पर अपनी टिप्पणी के संबंध में अकाल तक़्त साहिब सचिवालय के समक्ष पेश होने के लिए स्वर्ण मंदिर पहुंचे। श्री अकाल तक़्त साहिब के जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक, सचिवालय में जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज और तक़्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी टेक सिंह के समक्ष मुख्यमंत्री की पेशी के दौरान जत्थेदारों ने सिख आचार संहिता से संबंधित मासिक गुरुद्वारा गजट पत्रिका की एक प्रति और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के पत्र उन्हें भेंट किए।

मंगलवार को, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि 'गुरु की गोलक' के खिलाफ कथित बयानों के लिए तलब किए जाने के बाद उन्होंने श्री अकाल तक़्त साहिब के समक्ष पेशी के समय में बदलाव की मांग नहीं की थी। भगवंत मान ने एक पोस्ट में कहा कि वह श्री अकाल तकत साहिब द्वारा मांगे गए अनुसार 15 जनवरी को सुबह 10 बजे उपस्थित होने के लिए तैयार हैं।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार मेले में वाहनों पर रोड टैक्स व रजिस्ट्रेशन छूट से व्यापार को मिलेगी नई गतिः सिंधिया

ग्वालियर/भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा श्रीमंत माधवराव सिंधिया व्यापार ग्वालियर मेले में बिकने वाले वाहनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क एवं रोड टैक्स में छूट देने के निर्णय में महत्वपूर्ण सहयोग के लिए मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन, ग्वालियर मेला व्यापारी संघ, कोफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ग्वालियर के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से भेंट कर मुख्यमंत्री के समक्ष यह प्रस्ताव रखने और पत्र लिख यह आग्रह करने पर आभार व्यक्त किया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह निर्णय न केवल व्यापारियों के लिए राहत लेकर आया है, बल्कि इससे ग्वालियर-चंबल अंचल में व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

व्यापार मेला बनेगा आर्थिक गतिविधियों का केंद्र

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि रजिस्ट्रेशन एवं रोड टैक्स में दी गई छूट से व्यापार मेले में वाहनों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे स्थानीय व्यापारियों,

ऑटोमोबाइल डीलर्स और सहायक उद्योगों को सीधा लाभ मिलेगा। यह निर्णय उपभोक्ताओं के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा।

चैंबर ऑफ कॉमर्स में पधारने का दिया आमंत्रण

इस अवसर पर मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया को चैंबर ऑफ कॉमर्स में पधारने का औपचारिक आमंत्रण भी दिया। प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की कि उनके मार्गदर्शन में व्यापारिक समुदाय को भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग मिलता रहेगा।

व्यापार और विकास एक-दूसरे के पूरक हैंः सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रतिनिधिमंडल का आभार स्वीकार करते हुए कहा कि व्यापार और उद्योग किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होते हैं। राज्य सरकार का यह निर्णय स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन देने और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर व्यापार, उद्योग और रोजगार सृजन के लिए निरंतर कार्य करती रहेंगी।

भेंट के दौरान मध्य प्रदेश चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन, मेला व्यापारी संघ, कोफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ग्वालियर के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों को सलाम, इजरायली राजदूत ने 78वें सेना दिवस पर शुभकामनाएं दीं

यरूशलेम। 78वें भारतीय सेना दिवस के अवसर पर, इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने गुरुवार को भारतीय सेना की वीरता की प्रशंसा की और भारत और इज़राइल के बीच सहयोग की पुष्टि की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों की साझेदारी आतंकवाद-विरोधी गतिविधियों, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना दिवस पर मैं भारतीय सेना के वीर सैनिकों को सलाम करता हूं। भारत और इज़राइल के सशस्त्र बल सुरक्षा खतरों का सामना करने की क्षमता विकसित करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हमारा सहयोग विश्वास, साहस और सुरक्षा एवं स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है। आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी सहित कई अन्य नेताओं ने भी भारतीय सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में लिखा कि सेना दिवस पर, हम भारतीय सेना के साहस और दृढ़ प्रतिबद्धता को सलाम करते हैं।

कनाडा में 'गैंगस्टर कल्चर' का खौफ

4 करोड़ की फिरौती और घर पर फायरिंग के बाद भारतीय परिवार वापस लौटा देश

ओटावा **(एजेंसी)**। कनाडा का 'शांति का सपना' अब दक्षिण एशियाई मूल के लोगों के लिए डरावना साबित हो रहा है। ब्रैम्पटन में रहने वाले भारतीय मूल के विक्रम शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अपना घर और कनाडा छोड़ दिया है। यह कदम उन्होंने तब उठाया जब उनके घर पर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं और उनके परिवार को खत्म करने की धमकी दी गई।

घटना 3 जनवरी 2026 की है। विक्रम शर्मा अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे, तभी सुबह के समय एक नकाबपोश हमलावर ने उनके घर के बाहर 7 से 9 राउंड फायरिंग की। गोलियों की आवाज से विक्रम की नींद खुली, लेकिन नए साल के जश्न के कारण उन्होंने इसे पटाखों की आवाज समझकर नजरअंदाज कर दिया। 30 मिनट बाद जब पुलिस पहुंची, तब उन्हें पता चला कि उनकी कार और गैरेज गोलियों से छलनी हो चुके हैं।

गोलीबारी के कुछ ही घंटों बाद विक्रम के फोन पर एक अनजान नंबर से वीडियो आया, जिसमें उनके घर पर हुई फायरिंग के फुटेज थे। इसके तुरंत बाद एक फोन कॉल आया, जिसमें हमलावर ने 5, 00, 000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 4 करोड़ भारतीय रुपये) की मांग की। धमकी दी गई कि अगर एक दिन के भीतर पैसा नहीं मिला, तो उनके परिवार को जान से मार दिया जाएगा।

पैसे न देने पर 6 जनवरी को विक्रम को छह-सात और धमकी भरे कॉल आए। कॉलर ने सीधे तौर पर कहा, 'अगली गोली तुम्हारे लिए होगी।' पुलिस ने सुरक्षा के नाम पर विक्रम को सिर्फ अपना फोन नंबर बदलने और जगह बदलने की सलाह दी। इस प्रतिक्रिया से असंतुष्ट होकर विक्रम ने अपनी पत्नी और 4 महीने की बेटी की सुरक्षा के लिए कनाडा छोड़ने का फैसला किया। विक्रम ने मीडिया से कहा, 'हम शांति और बेहतर सिस्टम के लिए कनाडा आए थे, इस डर के लिए नहीं। वहां रहना अब सुरक्षित नहीं था।'

पील रीजनल पुलिस की 'एक्सटॉर्शन इन्वेस्टिगेशन टास्क फोर्स' इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस डेटा के अनुसार पिछले साल क्षेत्र में 400 से अधिक जबरन वसूली के मामले दर्ज किए गए। अपराधी मुख्य रूप से दक्षिण एशियाई व्यापार मालिकों को निशाना बना रहे हैं। फिलहाल इस मामले में किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बेशर्मी की हद्द है! स्वाति मालीवाल ने अकाल तख्त पर कथित टिप्पणी को लेकर भगवंत मान पर साधा निशाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर श्री अकाल तख्त के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर जमकर हमला बोला। मान पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने दावा किया कि वे धार्मिक और सरकारी स्थलों पर जाने से पहले शराब पीते हैं और अपनी सरकार में चोरों और बदमाशों को जगह देते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि मान ऑस्ट्रेलिया में लाखों रुपये छिपा रहे हैं। एक्स पर पोस्ट में सांसद मालीवाल ने लिखा कि करोड़ों रुपये ऑस्ट्रेलिया में ठिकाने लगाके, शराब पीकर गुरुद्वारा-मंदिर-सरकारी मीटिंग-संसद में जाने वाले। चोरों-गुंडों को अपनी सरकार में जगह देने वाले एक शख्स, पवित्र श्री अकाल तख्त पर घटिया बयान और आरोप लगा रहे हैं। घोर कलयुग है। बेशर्मी की हद्द है!

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आज सिख परंपराओं पर कथित टिप्पणियों के सिलसिले में श्री अकाल तक़्त साहिब सचिवालय के समक्ष पेश हुए और उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ फैलाई जा रही अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। सचिवालय के समक्ष पेश होने के बाद उन्होंने कहा कि सिंह साहिब का फैसला उन्हें बता दिया जाएगा और वे सचिवालय के आगामी निर्णय का सम्मान करेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी टिप्पणी का वीडियो 'फर्जी' है और उन्होंने इसे फोरेंसिक प्रयोगशाला में जांच कराने का प्रस्ताव रखा।

मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ मिली सभी शिकायतों के जवाब में मैंने श्री अकाल तक़्त साहिब के समक्ष अपना पक्ष रखा है। मैंने अकाल तक़्त साहिब के समक्ष लिखित प्रमाण भी प्रस्तुत किए हैं। मैंने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर चल रही वे अफवाहें कि भगवंत मान श्री अकाल तक़्त साहिब को चुनौती दे रहे हैं, झूठी हैं। अकाल तक़्त साहिब के समक्ष ऐसा करने का मुझे कोई अधिकार नहीं है। सिंह साहब का निर्णय मुझे सूचित किया जाएगा।

कराची पुलिस की नाकामी : एक साल से लापता बच्चों का सुराग नहीं, सड़कों पर फूटा जनता का गुस्सा

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। कराची के गार्डन इलाके से दो युवकों के लापता होने के एक साल बाद, आक्रोशित परिवार और निवासी सड़कों पर उतर आए और कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर मामले को नजरअंदाज करने और अपने बच्चों की मदद करने में विफल रहने का आरोप लगाया। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, गार्डन-निशतर रोड पर हुए विरोध प्रदर्शन के कारण गार्डन, एमए जिन्ना रोड और आसपास के गलियारों में यातायात ठप हो गया, जो पुलिस पर जनता के बढ़ते अविश्वास को दर्शाता है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, पांच वर्षीय अलियान और छह वर्षीय अली रज़ा 14 जनवरी, 2025 को लापता हो गए थे। अधिकारियों द्वारा कई आश्वासनों, बैठकों और 'सक्रिय जांच' के दावों के बावजूद, परिवारों का कहना है कि कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। रिश्तेदारों का मानना है कि पुलिस ने कोई तत्परता या पेशेवर रवैया नहीं दिखाया, जिससे महत्वपूर्ण समय और सबूत हाथ से निकल गए।

प्रदर्शन के दौरान, लापता बच्चों की माताएं बार-बार रो पड़ीं और तत्काल कार्रवाई और अपने बच्चों की सुरक्षित वापसी की गुहार लगाई। पड़ोसियों और समुदाय के सदस्यों ने उनका साथ दिया और अधिकारियों को 'आपराधिक स्तर की लापरवाही' स्वीकार करने के लिए मजबूर करने हेतु मुख्य सड़क पर मानव अवरोध बना लिया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि आधुनिक जांच उपकरणों, डिजिटल ट्रेसिंग विधियों और शुरुआती सुरागों पर कार्रवाई करने में विफल रहने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करके मामले को फिर से शुरू किया जाए।

सड़क बंद होने से भारी यातायात जाम लग गया, जिससे यात्रियों को परेशानी हुई और कामकाज में बाधा उत्पन्न हुई। कुछ ही यातायात अधिकारियों ने वाहनों को दूसरी दिशा में मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन जाम लगभग एक घंटे तक बना रहा। अंततः, प्रदर्शनकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद, भीड़ सड़क खाली करने पर सहमत हो गई, हालांकि उनकी शिकायतें अभी भी अनसुलझी हैं, जैसा कि एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया है।

लोकतंत्र पर भारत की गहरी जड़ों की दुनिया कायल कनाडा के उच्चायुक्त ने बांधे तारीफों के पुल

ओटावा **(एजेंसी)**। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस्टोफर कूटर ने चल रही राष्ट्रमंडल अध्यक्षों की बैठक को सदस्य देशों, विशेष रूप से भारत और कनाडा के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों और ऐतिहासिक संबंधों की महत्वपूर्ण पुष्टि बताया है।उन्होंने कहा कि हमारे अध्यक्ष आज यहां उपस्थित हैं, और वास्तव में कनाडा ने ही राष्ट्रमंडल अध्यक्षों के इस संगठन की स्थापना की थी।'

बैठक के दौरान, अधिकारी ने लोकतंत्र के महत्व पर प्रकाश डाला, जो विभिन्न क्षेत्रों के राष्ट्रमंडल देशों को जोड़ने वाला एक साझा आधार है। राष्ट्रमंडल अध्यक्षों के संगठन की स्थापना में कनाडा की भूमिका पर भी बल दिया गया, जिससे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संस्थागत संबंधों को रेखांकित किया गया।

कनाडाई प्रतिनिधि ने बैठक में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र की गहरी जड़ों और वैश्विक उत्तर और दक्षिण के देशों को एकजुट करने में इसकी भूमिका के बारे में 'बहुत ही प्रभावशाली ढंग से बात की। उन्होंने कहा भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने आज भारत के लिए लोकतंत्र के महत्व, यहां इसकी गहरी जड़ों और उत्तर और दक्षिण से हमें जोड़ने वाले इसके प्रभाव के बारे में बहुत ही प्रभावशाली ढंग से बात की। उन्होंने आगे कहा यह एक बेहद दिलचस्प भाषण था, और हम इसमें भाग लेने और लोकतांत्रिक नींव पर आधारित हमारे देशों के बीच के उन संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं।

भाषण को दूरदर्शी और सामयिक बताया गया, जिसने राष्ट्रमंडल देशों को आपस में जोड़ने वाले साझा लोकतांत्रिक सिद्धांतों को सुदृढ़ किया। चर्चाओं का एक प्रमुख बिंदु संसदीय प्रणालियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि संसदीय अधिकारियों, अध्यक्षों और मैंने कल अपने अध्यक्ष के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर चर्चा की। हम इन नए उपकरणों का उपयोग करने में बहुत रुचि रखते हैं, ताकि लोकतंत्र और भी बेहतर ढंग से काम कर सके और जनता के प्रति अधिक जवाबदेह हो सके।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)